सान्ध्य हिन्दी दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष - 02 | अंक - 268 | जौनपुर, मंगलवार, 25 जून 2024 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज - 4 | मूल्य - 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

अच्छे दिन का इंतजार करते–करते थक गई है जनता – अखिलेश

लखनऊ, संवाददाता। 2024 के लोकसभा चुनाव परिणामों के बाद पहले संसद सत्र के उद्घाटन दिवस पर विपक्ष का उत्साह देखने को मिला। उत्तर प्रदेश में शानदार प्रदर्शन करने वाले अखिलेश यादव का भी उत्साह चरम पर है। इन सब के बीच अखिलेश यादव ने मोदी सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि मैं देश की जनता को धन्यवाद देना चाहता हूं। देश की समझदार जनता ने लोकतंत्र और संवि धान को बचाने के लिए वोट किया है। मैं लोगों को धन्यवाद देना और आभार व्यक्त करना चाहता हूं। सपा नेता ने कहा कि लोग अच्छे दिन का इंतजार करते–करते थक गए हैं। मुझे उम्मीद है कि आने वाले समय में खुशी के दिन जरूर आएंगे। उन्होंने कहा कि आप लोग आज संविधान को लेकर चल रहे हैं. ..जो अच्छा है उसके लिए हम काम करेंगे, जो अच्छा है उसके रास्ते पर चलेंगे। LoP के पद को लेकर चर्चा पर वे कहते हैं, चर्चाएं होंगी...हर फैसला समय पर लिया जाएगा...।

राम मंदिर में रात नौ बजे के बाद वीआईपी दर्शन पर लगी रोक

अयोध्या, संवाददाता। राम मंदिर में रात नौ बजे के बाद वीआईपी दर्शन पर रोक लगा दी गई है। साथ ही आम श्रद्धालु भी 9:15 बजे तक ही राम मंदिर में प्रवेश कर पाएंगे। यह व्यवस्था लागू कर दी गई है। रात 9:15 बजे के बाद वही श्रद्धालु जा सकेंगे जिनके पास शयन आरती का पास होगा। राम मंदिर में सुबह 6:30 बजे से रात 10 बजे तक दर्शन की समय सारिणी प्राण प्रतिष्ठा के बाद राम मंदिर ट्रस्ट की ओर से जारी की गई थी। उस दौरान रामलला के दरबार में दो से ढ़ाई लाख भक्त रोजाना दर्शन करते थे। अब पहले की तुलना में भक्तों की संख्या आधी हो गई है। अब रोजाना 80 हजार से एक लाख श्रद्धालु दर्शन कर रहे हैं। इसलिए ट्रस्ट के ओर से दर्शन की व्यवस्था में कुछ बदलाव किया गया है। हालांकि ट्रस्ट ने इसको अब तक सार्वजनिक नहीं किया है। राम मंदिर के मुख्य अर्चक सत्येंद्र दास ने बताया कि रामलला को शयन कराने की प्रक्रिया रात 9:15 बजे से ही शुरू हो जाती है। इसलिए आम श्रद्धालुओं को 9:15 बजे तक ही प्रवेश दिया जा रहा है। 9:15 बजे तक जितने श्रद्धालु परिसर में रहते हैं उन्हें दर्शन कराया जाता है। साथ ही वीआईपी श्रद्धालु रंग महल बैरियर से केवल नौ बजे तक ही जा पाते हैं। इसके बाद उन्हीं को प्रवेश दिया जाता है, जिनके पास शयन आरती का पास होता है। रात 10 बजे की शयन आरती के बाद रामलला को विश्राम करा दिया जाता है।

राज्यसभा में सदन के नेता बनाए गए जेपी नड्डा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी ने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री और पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा को राज्यसभा में सदन का नेता घोषित किया है। नड्डा के पास मंत्रिमंडल में रसायन और उर्वरक विभाग भी है। केंद्रीय मंत्री सदन

के नेता के रूप में पीयूष गोयल की जगह लेंगे। प्रधान मंत्री मोदी के दूसरे कार्यकाल के दौरान, गोयल राज्यसभा में सदन के नेता थे। पीयूष गोयल 2024 में मुंबई उत्तर निर्वाचन क्षेत्र से जीतकर लोकसभा में पहुंचे हैं। उनके शपथ लेने के बाद ऐसी अटकलें थीं कि नड्डा अपने भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष पद से हट जाएंगे, जो उन्होंने 2020 में वर्तमान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से लिया था। हालाँकि, अब ऐसा प्रतीत होता है कि नड्डा भाजपा के शीर्ष संगठनात्मक नेता बने रहेंगे। पार्टी के कानून कहते हैं कि सभी राज्यों में से 50 प्रतिशत में संगठनात्मक चुनाव पूरे होने के बाद ही राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव किया जाता है, जो लगभग छह महीने तक जारी रहने की उम्मीद है। पहली मोदी सरकार में स्वास्थ्य मंत्री के रूप में भी काम करते हुए, वह एक परिचित भूमिका में लौट आए।

कानून की डिग्री रखने वाले नड्डा ने अपनी राजनीतिक यात्रा एबीवीपी, या अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, आरएसएस की छात्र शाखा, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, जो भाजपा का वैचारिक गुरु है, के साथ शुरू की। वह 1991 में पार्टी की युवा शाखा, भाज युमो या भारतीय जनता युवा मोर्चा के नेता बने। वह पहली बार 2012 में हिमाचल प्रदेश से राज्यसभा के लिए चुने गए थे और 2014 में उन्हें भाजपा के संसदीय बोर्ड का सदस्य बनाया गया था, जब अमित शाह ने पार्टी के अध्यक्ष के रूप में पदभार संभाला था।

अपने तीसरे कार्यकाल में हम तीन गुना अधिक मेहनत करेंगे - प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी। संसद सत्र से पहले पीएम मोदी ने कहा, संसदीय लोकतंत्र में यह एक गौरवशाली दिन है...आजादी के बाद पहली बार शपथ ग्रहण समारोह हमारे अपने नए संसद भवन में हो रहा है। पहले यह पुराने संसद भवन में होता था। इस महत्वपूर्ण दिन पर मैं सभी नवनिर्वाचित सांसदों का हार्दिक स्वागत करता हूं, उन्हें बधाई और शुभकामनाएं देता हूं। पीएम ने कहा ..आज 18वीं लोकसभा शुरू हो रही है। दुनिया का सबसे बड़ा चुनाव बहुत ही भव्य और शानदार तरीके से संपन्न हुआ... यह चुनाव इसलिए भी बहुत महत्वपूर्ण हो गया है क्योंकि आजादी के बाद दूसरी बार देश की जनता ने किसी सरकार को लगातार तीसरी बार सेवा करने का मौका दिया है। उन्होंने आगे कहा भारत के लोकतंत्र पर लगे उस कलंक के 50 साल पूरे हो रहे हैं। भारत की नई पीढ़ी कभी नहीं भूलेगी कि भारत के संविध ाान को पूरी तरह से नकार दिया गया था, संविधान के हर हिस्से को टुकड़े–टुकड़े कर दिया गया था, देश को जेलखाना बना दिया गया था, लोकतंत्र को पूरी तरह से दबा दिया गया था... अपने संविधान की रक्षा करते हुए, भारत के लोकतंत्र की, लोकतांत्रिक परंपराओं की रक्षा करते हुए, देशवासी संकल्प लेंगे कि भारत में फिर कोई ऐसा करने की हिम्मत नहीं करेगा जो 50 साल पहले किया गया था। हम एक जीवंत लोकतंत्र का संकल्प लेंगे। हम भारत के संविधान के निर्देशों के अनुसार आम लोगों के सपनों को पूरा करने का संकल्प लेंगे। इससे पहले आज संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि वे संसद चलाने के लिए समन्वय की।

क्योंकि 18वीं लोकसभा का पहला सत्र शुरू हो रहा है। एक्स पर एक पोस्ट में रिजिजू ने कहा कि वे संसदीय कार्य मंत्री के रूप में संसद सदस्यों की सहायता के लिए हमेशा उपलब्ध रहेंगे। रिजिजू ने कहा, ष18वीं लोकसभा का पहला सत्र आज, 24 जून, 2024 को शुरू हो रहा है। मैं सभी नवनिर्वाचित माननीय सदस्यों का स्वागत करता हूं। मैं संसदीय कार्य मंत्री के रूप में सदस्यों की सहायता के लिए हमेशा उपलब्ध रहूंगा।

समान नागरिक संहिता देश में सभी के लिए समानता का आदर्श बनेगी

उत्तराखंड, एजेंसी। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रविवार को आशा जताई कि उनके राज्य द्वारा अपनाई गई समान नागरिक संहिता (यूसीसी) देश में सभी के लिए व्यक्तिगत कानूनों में अधिक समानता का मार्ग प्रशस्त करेगी और साथ ही स्थानीय समुदायों के बीच एकता को बढ़ावा देगी तथा लैंगिक समानता को कायम रखेगी। उत्तराखंड स्वतंत्रता के बाद यूसीसी को अपनाने वाला देश का पहला राज्य है। मुंबई में एक सभा को संबोधित करते हुए धामी ने दावा किया कि उत्तराखंड में लैंड जिहाद हो रहा था जिसे उनकी सरकार ने रोका और लगभग 5,000 एकड़ अतिक्रमित भूमि को वापस हासिल किया।धामी ने कहा, उत्तराखंड विधानसभा में पारित यूसीसी विधेयक किसी के प्रति पक्षपात दिखाने के लिए पेश नहीं किया गया था। हमारा उद्देश्य किसी को निशाना बनाना नहीं है। हमारा प्रयास सभी के लिए प्रगति सुनिश्चित करना है, क्योंकि हम सभी के विश्वास और विकास के लिए प्रयास करते हैं। उन्होंने कहा कि समान नागरिक संहिता जीवन को पोषित करने वाली गंगा नदी की तरह है और उत्तराखंड में लागू होने के बाद इससे पूरे देश को लाभ होगा। उन्होंने न्यायिक प्रणाली पर इसके परिवर्तनकारी प्रभाव पर जोर दिया। धामी ने आश्वासन दिया कि प्रभावी क्रियान्वयन के लिए कठोर प्रावधान तैयार किए जा रहे हैं। समान नागरिक संहिता महिलाओं के प्रति भेदभाव करने वाली कई धार्मिक प्रथाओं को समाप्त कर देगी।

कोई भी शक्तिभारत के संविधान को नहीं छू सकती

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा संविधान पर ष्हमलाष विपक्ष के नेतृत्व वाले इंडिया गुट को स्वीकार्य नहीं है। कांग्रेस नेता ने यह बयान उस दिन दिया जब 18वीं लोकसभा का पहला सत्र शुरू हुआ। पत्रकारों को संबोधित करते हुए, रायबरेली के सांसद ने कहा कि कोई भी शक्ति संविधान को छू नहीं सकती है और संविधान की एक पुस्तिका दिखाई। राहुल गांधी ने कहा कि पीएम मोदी और अमित शाह संविधान पर जो हमला कर रहे हैं वो हमें मंजूर नहीं है, हम ऐसा नहीं होने देंगे। इसलिए, हमने शपथ लेते समय संविधान को हाथ में लिया। उन्होंने कहा कि हमारा संदेश गया, कोई भी शक्ति भारत के संविधान को छू नहीं सकती। 18वीं लोकसभा सत्र का पहला दिन दोनों गुटों के बीच व्यापार आरोप–प्रत्यारोप के बीच शुरू हुआ, क्योंकि पीएम मोदी ने मीडिया को सत्र से पहले अपने संबोधन में आपातकाल लगाने को लोकतंत्र

पर ष्काला धब्बा बताया। मोदी ने कहा कि कल 25 जून है। 25 जून को भारत के लोकतंत्र पर लगे उस धब्बे के 50 साल पूरे हो रहे हैं। भारत की नई पीढ़ी कभी नहीं भूलेगी कि भारत के संविधान को पूरी तरह से खारिज कर दिया गया था, संविधान के हर हिस्से को फाड़ दिया गया था, देश को जेल में बदल दिया गया था, लोकतंत्र को पूरी तरह से कुचल दिया गया था। हमारे संविधान की रक्षा करते हुए, भारत के लोकतंत्र की रक्षा करते हुए, भारत की लोकतांत्रिक परंपराओं की रक्षा करते हुए, देशवासी संकल्प लेंगे।

जबलपुर हवाई अड्डे का नाम रानी दुर्गावती के नाम पर रखा जाएगा

जबलपुर, एजेंसी। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने सोमवार को कहा कि जबलपुर के हवाई अड्डे का नाम गोंडवाना की प्रसिद्ध रानी दुर्गावती के नाम पर रखा जाएगा। यादव ने रानी दुर्गावती के बलिदान दिवस के उपलक्ष्य में जबलपुर में आयोजित कार्यक्रम में यह बात कही। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, ''जबलपुर हवाई अड्डे (जिसे वर्तमान में डुमना हवाई अड्डा कहा जाता है) का नाम रानी दुर्गावती के नाम पर रखने के लिए जल्द ही एक प्रस्ताव लाया जाएगा।'' मुख्यमंत्री ने कहा कि जबलपुर के मदन महल क्षेत्र में एक फ्लाईओवर का नाम भी रानी दुर्गावती के नाम पर रखा जाएगा। यादव ने कहा, रानी दुर्गावती के जीवन, उनकी वीरता और सुशासन को देश–दुनिया के सामने लाने के लिए संगोष्ठियां आयोजित की जाएंगी। उनके जीवन की गाथाओं को पाठ्यक्रम में भी शामिल किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने याद दिलाया कि रानी दुर्गावती की 500वीं जयंती के वर्ष में उनके प्रति सम्मान और कृतज्ञता दिखाने के लिए उनकी सरकार के मंत्रिमंडल की पहली बैठक जबलपुर में ही आयोजित की गई थी। देश में मुगल बादशाह अकबर का शासनकाल एक मुश्किल दौर था क्योंकि एक तरफ मेवाड़ के शासक महाराणा प्रताप उनसे लड़ रहे थे, तो दूसरी तरफ रानी दुर्गावती मुगलों के खिलाफ वन क्षेत्र में युद्ध कर रही थीं। मुख्यमंत्री ने अपने जबलपुर दौरे में रानी दुर्गावती और उनके पुत्र वीरनारायण की समाधि पर पहुंचकर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

सीएम सावंत ने पीएम मोदी से मुलाकात की, 'विकसित गोवा' के निर्माण के लिए मार्गदर्शन मांगा

पणजी, एजेंसी। गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने सोमवार को नयी दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की और केंद्र की महत्वाकांक्षी 'विकसित भारत 2047' योजना के तहत 'विकसित गोवा' के निर्माण के लिए उनसे मार्गदर्शन मांगा। मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) की ओर से जारी एक बयान में कहा गया है कि सावंत ने मोदी को लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने पर बधाई दी और उनके सफल कार्यकाल की कामना की। बयान में कहा गया है, मुख्यमंत्री ने कहा कि बातचीत के दौरान उन्होंने विकसित भारत 2047 की महत्वाकांक्षी दृष्टि के तहत विकसित गोवा के निर्माण के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदीजी से मार्गदर्शन और समर्थन मांगा। बयान में कहा गया है कि सावंत ने केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से भी मुलाकात की और उन्हें उत्तरी गोवा के मोपा में मनोहर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 66 से जोड़ने वाली छह लेन की संपर्क सड़क का उद्घाटन करने के लिए आमंत्रित किया। मुख्यमंत्री कार्यालय के बयान में बताया गया है।

सुनियोजित विकास के लिए गठित होगा शाहजहांपुर विकास प्राधिकरण - सीएम योगी

लखनऊ, संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शाहजहांपुर के दीर्घकालिक सुनियोजित विकास के लिए शाहजहांपुर विकास प्राधिकरण के गठन की आवश्यकता जताई है। सोमवार को आवास विभाग के अधि ाकारियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक की और आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि हालिया वर्षों में शाहजहांपुर व आसपास के क्षेत्र में इंफ्रास्ट्रक्चर विकास की अनेक परियोजनाओं से यहां एक ओर जहां औद्योगिक विकास तेज हुआ है, वहीं, आबादी में भी बढ़ोतरी देखी गई है। वर्तमान सरकार के पहले कार्यकाल में ही शाहजहांपुर को नगर निगम बनाया गया है। यहां पूर्व से ही विनियमित क्षेत्र है। हाल ही में यहां का मास्टर प्लान–2031 भी तैयार कराया गया है और अब आवश्यकता

है कि शाहजहांपुर विकास प्राधिकरण का गठन किया जाए। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि विकास प्राधिकरण के गठन करते समय यह ध्यान रखा जाए कि प्राधिकरण के अंतर्गत आ रहे गांवों में आबादी की भूमि को ग्रीन लैंड कतई न घोषित किया जाए। आम आदमी को किसी प्रकार की समस्या न हो। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के विभिन्न जिलों में अनेक सरकारी भवन या तो उपयोग में नहीं हैं अथवा निर्माण कार्य अधूरा है। इन्हें चिन्हित कर पूरा करायें और प्रयोग किया जाए साथ ही कहा कि पीएम जनविकास कार्यक्रम के कार्यों में तेजी लाई जाए। होटल इंडस्ट्री के विकास पर चर्चा करते हुए प्रदेश के टूरिज्म पोटेंशियल को प्रोत्साहित करने के प्रयासों का ही परिणाम है कि आज उत्तर प्रदेश पर्यटकों की पहली पसंद बनकर उभरा है। देश से सबसे ज्यादा पर्यटक उत्तर प्रदेश में आते हैं। इन सकारात्मक परिस्थितियों ने होटल इंडस्ट्री के लिए अपार संभावनाओं को जन्म दिया है। बड़ी संख्या में होटलों की आवश्यकता का अनुभव किया जा रहा है। हमें अपने बिल्डिंग बाइलॉज में परिवर्तन करने की आवश्यकता है।

बांग्लादेश के साथ तीस्ता जल बंटवारे पर वार्ता में बंगाल सरकार को शामिल नहीं करने से नाखुश हूं - सीएम ममता

कोलकाता, एजेसी। बांग्लादेश के साथ तीस्ता नदी जल बंटवारा और फरक्का संधि से संबंधित वार्ता में पश्चिम बंगाल सरकार को शामिल नहीं करने पर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को एक पत्र लिखकर 'कड़ी आपत्ति' जताई। पत्र में अपनी नाखुशी का इजहार करते हुए बनर्जी ने प्रधानमंत्री से पश्चिम बंगाल सरकार को शामिल किए बिना पड़ोसी देश के साथ ऐसी कोई चर्चा नहीं करने का भी आग्रह किया। यह पत्र मोदी की हाल ही में दिल्ली में उनकी बांग्लादेशी समकक्ष शेख हसीना के साथ द्विपक्षीय वार्ता के मद्देनजर लिखा गया था, जिसमें दोनों नेताओं के बीच मुलाकात का विवरण राष्ट्रीय मीडिया में आने के बाद बनर्जी ने कुछ करीबी लोगों के समक्ष कथित तौर पर नाराजगी व्यक्त की थी। उन्होंने मोदी को लिखे तीन पन्नों के पत्र में कहा,

''मैं यह पत्र बांग्लादेश की प्रधानमंत्री की हालिया यात्रा के संदर्भ में लिख रही हूं। ऐसा लगता है कि बैठक के दौरान गंगा और तीस्ता नदियों से संबंधित जल बंटवारे के मुद्दों पर चर्चा हुई होगी। परामर्श और राज्य सरकार की राय के बिना इस तरह का एकतरफा विचार–विमर्श और वार्ता ना तो स्वीकार्य है और ना ही वांछनीय है। उन्होंने कहा कि बंगाल का बांग्लादेश के साथ भौगोलिक, सांस्कृतिक और आर्थिक रूप से बहुत करीबी रिश्ता है। बनर्जी ने 'तीस्ता' और 'फरक्का' के संदर्भ में कहा, ''पानी बहुत कीमती है और लोगों की जीवन रेखा है। हम ऐसे संवेदनशील मुद्दे पर समझौता नहीं कर सकते, जिसका लोगों पर गंभीर और प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। ऐसे समझौतों के प्रभाव से पश्चिम बंगाल के लोग सबसे अधिक पीड़ित होंगे। वर्ष 1996 की बांग्लादेश फरक्का संधि वर्ष 2026 में समाप्त होने की अपनी निर्धारित अवधि से पहले नवीनीकरण की प्रक्रिया में है। उन्होंने पत्र में कहा, ''मैं आपके ध्यान में लाना चाहूंगी कि भारत के पूर्वी हिस्से और बांग्लादेश में कई वर्षों में नदी का आकार बदल गया है, जिससे पश्चिम बंगाल वंचित हो गया है।

दिल्लीवालों को उनके हक का पानी दिलाकर रहूंगी – आतिशी

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की जल मंत्री आतिशी ने सोमवार को कहा कि उनका स्वास्थ्य चाहे कितना भी खघ्राब हो जाए या शरीर को कितना भी कष्ट हो, वह दिल्लीवालों को उनके हक का पानी दिलाकर रहेंगी। आम आदमी पार्टी (आप) के विधायकों और पार्षदों के साथ दिल्ली के विभिन्न इलाकों से बड़ी संख्या में लोगों ने सोमवार को अनशन स्थल पर पहुंच कर उनका समर्थन किया। चार दिन से बिना खाए सत्याग्रह कर रहीं सुश्री आतिशी ने दिल्ली की जनता से कहा कि उनका स्वास्थ्य चाहे कितना भी खघ्राब हो जाए या शरीर को कितना भी कष्ट हो, दिल्लीवालों को उनके हक का पानी दिलाकर रहूंगी। जब तक हरियाणा की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार 28 लाख दिल्लीवालों के हक का पानी नहीं देती है, तब तक यह

सत्याग्रह जारी रहेगा। आप के दिल्ली प्रदेश संयोजक गोपाल राय ने कहा कि दिल्लीवालों ने भाजपा को दिल्ली की सातों लोकसभा सीटें जिताई। सातों सीटें जीतते ही भाजपा का अहंकार सातवें आसमान पर पहुंच गया। चुनाव जीतते ही भाजपा ने हरियाणा सरकार के साथ मिलकर दिल्ली का पानी रुकवा दिया ताकि दिल्ली में पानी का संकट पैदा हो जाए और दिल्ली वाले श्री अरविंद केजरीवाल को गालियां देने लगे। भाजपा के पाप का घड़ा भर रहा है। भाजपा के सांसद दिल्लीवालों को गुमराह करना बंद करें और हरियाणा से दिल्ली के हक का 100 एमजीडी पानी दिलवाएं। श्री राय ने कहा कि जब से दिल्लीवालों ने श्री केजरीवाल को प्रचंड बहुमत देकर दिल्ली में आम आदमी पार्टी की सरकार बनाई, तबसे भाजपा दिल्लीवालों के खिलाफ साजिश कर रही है। पहले इन्होंने श्री सत्येंद्र जैन, मनीष सिसोदिया और श्री केजरीवाल को गिरफ्तार किया। भाजपा को लगा कि दिल्ली के काम रुक जाएंगे और दिल्लीवाले परेशान हो जाएंगे लेकिन दिल्ली के विधायकों और दिल्ली वालों ने मिलकर दिल्ली का काम जारी रखा।

संपादकीय

जी–7 में पूर्णकालिक सदस्य

सोशल मीडिया पर प्रधानमंत्री मोदी के साथ इतालवी प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी की सेल्फी की भरमार है। वह कॉलेज जाने वाली किशोरी की तरह लग रही हैं, जो अपने हीरो के साथ सेल्फी लेकर बहुत खुश और अभिभूत हैं और उत्साह में चिल्लाती हैं–मेलोडी (मेलोनी और मोदी) टीम की ओर से हेलो! प्रधानमंत्री मोदी के कट्टर आलोचक भी यह स्वीकार करेंगे कि हमारे सत्तर वर्षीय प्रधानमंत्री ने अलग– अलग तरह के वैश्विक नेताओं के साथ गर्मजोशी, मिलनसारिता और व्यक्तिगत रिश्ते बनाने में अनूठी महारत हासिल कर ली है।

उन्हें केवल आउटरीच सेशन में भागीदारी के लिए आमंत्रित किया गया था, लेकिन सामूहिक तस्वीर लेते वक्त उन्हें प्रमुखता से केंद्र में रखा गया। संक्षेप में कहें, तो उनके प्रति काफी सम्मान और शिष्टाचार दर्शाया गया। और हो भी क्यों नहीं? अमेरिका और फ्रांस के राष्ट्रपतियों तथा ब्रिटिश एवं कनाडा के प्रधानमंत्रियों (जनमत सर्वेक्षणों में जिनकी लोकप्रियता घट गई है और अनिश्चित राजनीतिक भविष्य का सामना कर रहे हैं) की तुलना में मोदी ने भारत में तीसरी बार प्रधानमंत्री बनकर इतिहास रच दिया है, हालांकि उनकी अपनी पार्टी लोकसभा चुनाव में उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर पाई। इस अवसर का लाभ उठाते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कई ऐसे मुद्दे उठाए, जो न सिर्फ भारत के लिए, बल्कि पूरी दुनिया के लिए महत्वपूर्ण हैं। एआई और ऊर्जा, अफ्रीका एवं भूमध्यसागर पर जी–7 के आउटरीच सेशन में उन्होंने कई विषयों पर प्रकाश डाला, मुख्य रूप से मानव प्रगति में प्रौद्योगिकी के व्यापक उपयोग पर। मानव जीवन के विभिन्न पहलुओं में प्रौद्योगिकी के उदय ने साइबर सुरक्षा के महत्व की भी पुष्टि की है। उन्होंने यह भी बताया कि भारत अपनी विकास यात्रा के लिए किस तरह से एआई का लाभ उठा रहा है। यह जरूरी है कि एआई पारदर्शी, सुरक्षित, सुलभ और जिम्मेदार बना रहे। जहां तक ऊर्जा का सवाल है, भारत का दृष्टिकोण उपलब्धता, पहुंच, सामर्थ्य और स्वीकार्यता पर आधारित है। हम निर्धारित समय से पहले अपनी कॉप प्रतिबद्धताओं को पूरा करने के लिए काम कर रहे हैं। भारत लाइफ (एलआईएफई) मिशन के सिद्धांतों के आधार पर हरित युग की शुरुआत करने के लिए काम कर रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने धरती को और अधिक टिकाऊ बनाने के लिए श्एक पेड़ मां के नामश अभियान पर भी प्रकाश डाला। प्रधानमंत्री मोदी ने दावा किया कि समय से पहले कॉप प्रतिबद्धताओं को पूरा करने वाला भारत पहला देश होगा और यह 2070 तक नेट जीरो का लक्ष्य पाने के लिए कड़ी मेहनत कर रहा है। सितंबर, 2023 में जी–20 की अध्यक्षता के दौरान अफ्रीकी यूनियन को उसका पूर्ण सदस्य बनवाने के भारत के प्रयासों का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने ग्लोबल साउथ की भलाई के लिए बोलने और विश्व मंच पर अपनी प्राथमिकताओं और चिंताओं को व्यक्त करने की प्रतिबद्धता दोहराई। भारत–इटली के बीच रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने की अपनी प्रतिबद्धता पर जोर देते हुए उन्होंने भारत–प्रशांत और भूमध् यसागरीय क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाने की आशा व्यक्त की। पिछले दो दशक से ज्यादा समय से हम सुन रहे हैं कि द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद जन्मी मौजूदा संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) आज दुनिया की वास्तविकताओं को नहीं दर्शाती और उसकी समस्याओं का समाधान करने में अक्षम है। यही बात जी–7 के साथ लागू होती है, जिसकी स्थापना 1975 में दुनिया के सबसे बड़े औद्योगिक लोकतंत्रों (अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी, इटली, जापान) के एक अनौपचारिक समूह के रूप में तेल संकट, वित्तीय संकट और मंदी से निपटने के लिए की गई थी। इस समूह में कनाडा 1975 में शामिल हुआ। इसका न तो मुख्यालय है, न सचिवालय और न ही चार्टर। इसकी अध्यक्षता बारी–बारी से हर साल सदस्य देशों द्वारा की जाती है। मौजूदा अध्यक्ष एजेंडा निर्धारित करता है और गैर–सदस्य देशों को उचित समझकर आमंत्रित करता है। पिछले कुछ वर्षों में मुद्रास्फीति और अन्य आर्थिक चिंताओं के अलावा जलवायु परिवर्तन, अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा, ऊर्जा सुरक्षा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और प्रवासन जैसे कई मुद्दे जी–7 की चर्चाओं में प्रमुखता से शामिल रहे हैं। जी–7 देशों की कुल जीडीपी, जो विश्व की जनसंख्या का मात्र 10 फीसदी है, 463 खरब डॉलर है। आईएमएफ के अनुसार, 2023 में यह वैश्विक जीडीपी का 26.4 फीसदी रह गया है, जबकि 2000 में यह 40 फीसदी था। हालांकि वर्तमान में ब्रिक्स की जीडीपी लगभग 260 खरब डॉलर होने का अनुमान है। गोल्डमैन सैक को लगता है कि 2050 तक ब्रिक्स जी–7 की जीडीपी से आगे निकल सकता है! यदि सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, ईरान, मिस्र, इथियोपिया और अर्जेंटीना जैसे देशों को इसमें शामिल कर लिया जाए, जिन्होंने ब्रिक्स में शामिल होने में रुचि दिखाई है, तो यह काम पहले भी हो सकता है। अकेले भारत की जनसंख्या पूरे जी–7 देशों की कुल आबादी से दोगुनी है और भारत का वर्तमान जीडीपी (39.40 खरब डॉलर) जी–7 के चार सदस्यों–इटली, फ्रांस, ब्रिटेन और कनाडा के जीडीपी से ज्यादा है। ऐसे में, भारत को शामिल किए बिना जी–7 वैश्विक मुद्दों पर चर्चा कैसे कर सकता है और व्यावहारिक समाधान कैसे निकाल सकता है? अब समय आ गया है कि भारत को जी–7 का पूर्ण सदस्य बनने के लिए आमंत्रित किया जाए, न कि आउटरीच सत्रों के लिए। अभी अमेरिका, जिसका जीडीपी जी–7 के कुल जीडीपी का 50 फीसदी से अधिक है, समूह के अन्य सदस्यों के समर्थन के कारण गैर–सदस्य देश के खिलाफ प्रतिबंधों सहित कोई भी निर्णय पारित करवा सकता है।

नागरिकों के बुनियादी मुद्दों से निपटना

विनोद

मैं लोकतंत्र में दृढ़ विश्वास रखता हूं, लेकिन क्या हमारे देश में इसके कामकाज का तरीका सुशासन के विपरीत हो गया है? चुनावों की आवृत्ति और सत्तारूढ़ एनडीए और विपक्ष के बीच लगभग अपूरणीय कड़वाहट को देखते हुए, क्या हम आम आदमी की वास्तविक जरूरतों को हल करने के लिए एकजुट कार्रवाई की उम्मीद कर सकते हैं? लगातार आरोप–प्रत्यारोप का खेल और अगला राज्य चुनाव जीतने की प्राथमिकता, इसे एक दूर की संभावना बना रही है। आंतरिक कटुता के बावजूद, लोकतंत्र को शासन करना चाहिए। राष्ट्रीय चुनावों के बाद भी राजनीतिक दल एक–दूसरे पर आरोप–प्रत्यारोप जारी रखते हैं और कमजोर भाजपा और मजबूत विपक्ष के बीच अप्रिय टकराव के कारण आसन्न संसद सत्र के ठप होने की संभावना है, देश की राजधानी में लाखों आम लोग, जो दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था होने का दावा करता है, पानी जैसी बुनियादी चीज की एक बूंद पाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। इस भीषण गर्मी में पानी के टैंकर के पीछे भागती भीड़ के भयावह दृश्य जारी हैं, जबकि राजनेता इस बात पर चर्चा करने में व्यस्त हैं कि राहुल गांधी को वायनाड या रायबरेली में से किसे चुनना चाहिए था और मोहन भागवत के भाषण का वास्तविक महत्व क्या है। आरोप–प्रत्यारोप के अंतहीन घिनौने नाटक से कोई समाधान नहीं निकल पा रहा है। भाजपा आप द्वारा संचालित दिल्ली सरकार पर आरोप लगाकर पानी की कमी का राजनीतिक लाभ उठाने की कोशिश कर रही है। वहीं आप भाजपा पर जानबूझकर इस संकट को बढ़ाने का आरोप लगा रही है। इस संकट ने केवल राष्ट्रीय राजधानी को ही सीमित रखा है। महाराष्ट्र में पानी की कमी के कारण सूखे का खतरा मंडरा रहा है। असहाय किसान और ग्रामीण समुदाय हर कुएं की तलहटी को छान रहे हैं। लेकिन राज्य के राजनेता आगामी विधानसभा चुनावों की योजना बनाने में व्यस्त हैं। वास्तव में, पानी की कमी हमारे भविष्य की सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक बन गई है, न केवल ग्रामीण क्षेत्रों के लिए जहां भूजल स्तर तेजी से गिर गया है और सिंचाई ग्रिड इष्टतम से बहुत दूर है, बल्कि हमारे अव्यवस्थित और चरमराते शहरी बुनियादी ढांचे के लिए भी। इस संकट को दूर करने के लिए समाधान मौजूद हैं, लेकिन इसके लिए योजना, दीर्घकालिक दृष्टि और कड़ी मेहनत की आवश्यकता है, जो तुरंत सुर्खियाँ बटोरने वाले परिणाम नहीं दिखा सकती है। लेकिन क्या हमारे शासन करने वालों में इस तरह के लंबे समय तक चलने वाले प्रयासों में निवेश करने का धैर्य या इच्छाशक्ति है? हमारे राजनीतिक आकाओं को त्वरित समाध् ाान की आवश्यकता है, जिसे वे अगले विधानसभा चुनावों से पहले एक "उपलब्धि" के रूप में प्रचारित कर सकें, ताकि समान रूप से अवसरवादी विपक्ष को रोका जा सके जो हर उस चीज को विफल घोषित करने के लिए हमेशा तैयार रहता है जो तुरंत परिणाम नहीं दिखाती है। कभी–कभी, कट्टरपंथी हताशा के क्षणों में, मुझे लगता है कि आम लोगों की बार–बार होने वाली दुर्दशा के लिए एक व्यवस्थित समाधान खोजने के लिए हमारे राजनेताओं को झकझोरने का एकमात्र तरीका है, लुटियंस दिल्ली के बड़े बंगलों में हर हफ्ते 48 घंटे के लिए पानी की आपूर्ति काट देना। आप शर्त लगा सकते हैं कि समाधान सबसे जरूरी प्राथमिकता का मामला बन जाएगा, लेकिन हमेशा डर बना रहता है कि यह केवल उनके अपने आराम क्षेत्र के लिए हो सकता है। हर मुद्दे पर बेकार नाम पुकारना हावी है। अगर कोई रेल दुर्घटना होती है, जैसा कि हाल ही में पश्चिम बंगाल में हुआ, तो विपक्ष भाजपा को घेरने के लिए तैयार हो जाता है, और विपक्ष भी भाजपा को घेरने के लिए तैयार हो जाता है। लेकिन शासन करने वालों में से कोई भी रेलवे सुरक्षा की समग्र स्थिति, पुराने उपकरणों को तेजी से बदलने या अभिजात वर्ग की वंदे भारत एक्सप्रेस के अलावा अन्य ट्रेनों की खराब स्थिति के बारे में संयुक्त रूप से विचार–विमर्श नहीं करेगा, जिसमें आम लोग यात्रा नहीं करते हैं। देवगौड़ा के पोते रेवन्ना और उनके कथित यौन शोषण या पीएम मोदी की वाराणसी में अपनी लोकसभा सीट पर जीत का कम अंतर, सुर्खियों में जगह बनाते हैं। लेकिन क्या हमारे राजनेता वास्तव में राष्ट्रीय राजधानी सहित पूरे देश में बिजली कटौती की बढ़ती आवृत्ति और लंबाई के बारे में चिंतित हैं? प्रमुख शहरों में अभी भी बहुत लंबे समय तक बिजली मिलती है, लेकिन महानगरों के बाहर पचास किलोमीटर के दायरे से आगे जाने पर, और बिजली की अनुपस्थिति में बिजली की मौजूदगी की तुलना में अधिक दिखाई देती है, जिसमें भारी वोल्टेज उतार–चढ़ाव होता है। हम लोकतांत्रिक वादों की किस दुनिया में रह रहे हैं? चुनावी प्राथमिकताओं को देखते हुए, मुफ्त का वादा दिन का क्रम है, चाहे वास्तव में लागू हो या न हो। लगभग 80 करोड़ लोग केंद्र सरकार द्वारा हर महीने दिए जाने वाले राशन पर जीवित हैं, जिसे कोविड के बाद एक अस्थायी उपाय माना जा रहा है। लेकिन किसी भी राजनीतिक दल के पास मुफ्तखोरी जारी रखने से परे कोई विजन नहीं है, जो उन मूलभूत समस्याओं का स्थायी समाधान खोज सके, जिनके कारण ये जरूरतें पूरी होती हैं। हम बड़े पैमाने पर ग्रामीण संकट और कम कृषि उत्पादकता से कैसे निपटें? हम अधिक नौकरियाँ कैसे पैदा करें? हम अपने युवाओं को बेहतर कौशल कैसे प्रदान करें? हम प्राथमिक स्वास्थ्य और अपनी शिक्षा प्रणाली की गुणवत्ता कैसे सुधारें? हम अस्वीकार्य आर्थिक असमानता और बुनियादी वस्तुओं की बढ़ती कीमतों को कैसे पाटें? हम उन लाखों युवाओं के साथ क्या करें जिनका भविष्य बार–बार पेपर लीक होने और अपर्याप्त परीक्षण प्रणालियों के कारण खघ्तरे में है? मानसून आने वाला है, और देश में, अनिवार्य रूप से, बाढ़ आएगी जिससे व्यापक दुख होगा। हमेशा की तरह, यह लुटियन दिल्ली पर शायद ही कोई असर पड़ेगा, जहां नीति निर्माता रहते हैं। लेकिन कुछ मुद्दे उन्हें भी प्रभावित करते हैं। इस साल के अंत में, हम फिर से प्रदूषण की समस्या का सामना करेंगे। दिल्ली – और उत्तर भारत के बड़े हिस्से – में सांस लेना मुश्किल हो जाएगा, जिससे लाखों लोग हांफने लगेंगे। हर साल जब ऐसा होता है तो बहुत घबराहट होती है, राजनीतिक दल एक–दूसरे पर आरोप लगाने में व्यस्त रहते हैं। समाधान ज्ञात हैं। अगले साल भी निश्चित रूप से हमारे सामने आने वाले संकट से निपटने की योजना दिवाली के तुरंत बाद युद्धस्तर पर शुरू करने की जरूरत है। केंद्र सरकार को एक अंतर–राज्यीय समिति का गठन करना होगा, जिसमें पंजाब, हरियाणा और यूपी सहित प्रभावित राज्यों को शामिल किया जाएगा, जिसमें सिद्ध क्षेत्र के विशेषज्ञ होंगे, जो एक निश्चित समय सीमा के भीतर काम करेंगे। लेकिन एक व्यवस्थित समाधान की दिशा में ऐसा प्रयास इस तथ्य से घातक रूप से छोटा हो जाता है कि दिल्ली और पंजाब में विपक्षी दलों का शासन है, जबकि केंद्र में भाजपा की सरकार है। तब जो कुछ होता है वह राजनीतिक दोषारोपण का परिचित कोलाहल होता है, जबकि नागरिक इस निर्दयी, अदूरदर्शी राजनीति के असहाय शिकार बने रहते हैं। कुछ बड़ा बदलाव करने की जरूरत है। हम एक तरफ उत्साह के बुलबुले में और दूसरी तरफ एक अव्यवहारिक नीति प्रणाली में नहीं रह सकते। सच तो यह है कि आज हमारी राजनीति का तरीका शासन की गुणवत्ता में बाधा बन गया है। लोगों का धैर्य खत्म होता जा रहा है। आखिरकार, उन्हें यह तय करना होगा कि कब कहना है। बस बहुत हो गया।

सुशासन का तात्पर्य कार्य की सिद्धि और लक्ष्य की पूर्ति

आदित्य

पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव बेंदकतेंमींत त्व की प्रशासनिक प्रतिभा, जिसे तेलंगाना ट्रांसको और

जेनको के पूर्व सीएमडी डी प्रभाकर राव का समर्थन प्राप्त था, ने तेलंगाना बिजली के मोर्चे पर कायापलट और अद्भुत विकास किया। तेलंगाना 'पहला ऐसा राज्य' बन गया जिसने कृषि सहित सभी क्षेत्रों को 24 घंटे निर्बाध गुणवत्तापूर्ण बिजली की आपूर्ति की। बिजली क्षेत्र को 'सर्वोच्च प्राथमिकता' देकर 'केसीआर के कार्यकाल में तेलंगाना' देश में आदर्श बन गया। स्थापित क्षमता 7778 मेगावाट (2014) से बढ़कर 18453 (2024) हो गई, पीक डिमांड 15000 यूनिट रही और प्रति व्यक्ति खपत 2125 यूनिट तक पहुंच गई। और लगभग बिजली अधिशेष वाला राज्य। इस अवलोकन का संदर्भ, अवधारणा और सामग्री न्यायमूर्ति नरसिम्हा रेड्डी जांच आयोग के संदर्भ में है, जिसने पूर्व सीएम केसीआर को उनके कार्यकाल के दौरान कथित 'बिजली क्षेत्र की अनियमितताओं' पर स्पष्टीकरण मांगने के लिए नोटिस दिया था। जवाब में, चेयरमैन को लिखे अपने पत्र में केसीआर ने विद्युत विनियामक आयोग (ईआरसी) के निर्णयों को बाध्यकारी मानने के कानूनी आधार को दरकिनार करते हुए जांच आयोग के गठन पर आपत्ति जताई। न्यायमूर्ति नरसिम्हा रेड्डी उच्च न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीश होने के नाते सरकार को इस अवैध् ाता की जानकारी देने के बजाय चेयरमैन बनना पसंद करते हैं, जो कि केसीआर ने कहा कि बहुत खेदजनक है। उनके पत्र में बिजली के मोर्चे पर कुल संकट और घोर अराजकता (2014) से लेकर चौबीसों घंटे निर्बाध गुणवत्तापूर्ण बिजली आपूर्ति तक का हर विवरण दिया गया है। 'सच कहूँ तो' केसीआर ने अपने पत्र में जो 'मुख्य अनिवार्य मुद्दे' उठाए, वे 'बिजली क्षेत्र' में 'तेलंगाना के पुनर्निर्माण और पुनर्निर्देशन' की प्रक्रिया का हिस्सा थे। नियमों या प्रक्रियाओं को शायद ही कभी दरकिनार किया गया या उनका उल्लंघन किया गया। हो सकता है कि लोगों की तात्कालिक आवश्यकताओं ध्उमकपंजम त्मुनपतमउमदजे और सुविधा के अनुरूप आवश्यकता आधारित त्वरित कार्रवाई की गई हो। फिर भी, हर कदम ईआरसी के निर्णयों के अनुसार था, जो बाध्यकारी थे। सुशासन के लिए, श्कार्य की पूर्ति और लक्ष्य की पूर्ति अप्रचलित प्रक्रियाओं के अनुरूप होने से अधिक महत्वपूर्ण थी।श चूंकि तेलंगाना में 5000 मेगावाट की कमी थी, इसलिए बिजली क्षेत्र के संगठनों और सरकार ने संकट से निपटने के लिए एकजुट होकर काम किया और अभूतपूर्व परिणाम प्राप्त किए। इसे याद करते हुए, केसीआर ने रेखांकित किया कि, श्यहां तक घ्कि न्यायमूर्ति नरसिम्हा रेड्डी भी अपनी सरकार द्वारा किए गए ठोस प्रयासों से अवगत थे, जिसके परिणामस्वरूप स्थापित क्षमता में वृद्धि हुई, जिससे तेलंगाना सभी क्षेत्रों को 24ग7 गुणवत्तापूर्ण बिजली की आपूर्ति करने वाला देश का एकमात्र राज्य बन गया। केसीआर ने बताया कि तेलंगाना में प्रति व्यक्ति बिजली की खपत 2014 में 1,196 यूनिट थी, जो बढ़कर 2,349 यूनिट हो गई। केसीआर द्वारा लिखे गए पत्र में सब–क्रिटिकल और सुपर–क्रिटिकल प्रकार के थर्मल स्टेशनों के पक्ष और विपक्ष, उनके प्रदूषक और लागत कारक, और 2015 में पेरिस समझौते के बाद भारत में सुपर–क्रिटिकल तकनीक ने कैसे लोकप्रियता हासिल की, सामान्य तौर पर और तेलंगाना राज्य के संदर्भ में चर्चा की गई। हालांकि, प्राथमिकता बिजली क्षेत्र में आत्मनिर्भरता हासिल करने की थी, जरूरत थी पावर परचेज एग्रीमेंट्स (पीपीए) की, और बिना समय गंवाए नए थर्मल स्टेशन स्थापित करने की, चाहे वह सब–क्रिटिकल या सुपर –क्रिटिकल तकनीक हो। संपर्क करने पर सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम बीएचईएल ने दो साल में सब–क्रिटिकल तकनीक से संचालित 1080 मेगावाट भद्राद्री पावर प्लांट स्थापित करने के लिए तुरंत सहमति व्यक्त की (90: बिजली स्टेशनों ने इसका इस्तेमाल किया), लेकिन कहा कि सुपर–क्रिटिकल तकनीक के साथ 800 मेगावाट कोठागुडेम सातवें चरण का निर्माण करने में चार साल लगते हैं, केसीआर ने उल्लेख किया। केसीआर ने एक उपयुक्त वाक्यांश का इस्तेमाल किया कि, असाधारण स्थितियों के लिए असाधारण निर्णयों की आवश्यकता होती है। गंभीर बिजली संकटों को दूर करने के लिए, केसीआर ने असाधारण अवध् ाारणा को प्राथमिकता दी! और इसलिए, आयोग की टिप्पणी कि, तेलंगाना सरकार ने सब– क्रिटिकल तकनीक का चयन करके गलती की गलत है और उनकी सरकार को बदनाम करने के बराबर है, और वह भी परियोजना के समय पर पूरा होने के बावजूद, केसीआर ने लिखा। केसीआर ने विनम्रतापूर्वक सुझाव दिया, 'मेरा मानना है कि आपने जांच आयोग का नेतृत्व करने का नैतिक अधिकार खो दिया है। मैं आपसे आयोग से खुद को अलग करने का आग्रह करता हूं।

लोकसभा के सत्र नई उम्मीदों को पंख लगाये

ललित

अठारहवीं लोकसभा का पहला सत्र सोमवार से शुरू चुका है, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोकसभा के सदस्य के रूप में शपथ ली। तीन जुलाई तक दस दिन के लिये चलने वाले इस सत्र में दो दिन नए सांसदों को शपथ दिलाई जायेगी। बुधवार को नए लोकसभा अध्यक्ष का चुनाव होगा, जबकि गुरुवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू दोनों सदनों की संयुक्त बैठक को संबोधित करेंगी। लोकसभा सत्र में विपक्ष इस बार अपनी बढ़ी हुई शक्ति का एहसास कराते हुए आक्रामक होने से नहीं चूकेगा। यही वजह है विपक्ष ने सत्र से पहले परीक्षा में गड़बड़ी, अग्निवीर व प्रोटेम स्पीकर जैसे मुद्दों को लेकर आक्रामक रुख दिखाने की रणनीति बनाई है। लोकसभा अध्यक्ष के चुनाव में भी सत्ता पक्ष को घेरने की कोशिशें होती हुई दिख रही है। वैसे भी वह पहले ही सत्ता पक्ष के गठबंधन के सहयोगियों को लोकसभा अध्यक्ष पद की मांग के लिए उकसाने में लगा हुआ है एवं वहीं स्वयं के लिये लोकसभा के उपाध्यक्ष पद की मांग कर रहा है। विपक्ष ने प्रोटेम अध्यक्ष की नियुक्ति के अलावा नीट–यूजी पेपर लीक व अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं के स्थगित होने के मामले में सरकार को घेरने एवं संसदीय कार्रवाई को बाधित करने की रणनीति बनाई है, जिससे पहले दिन ही हंगामे के परिदृश्य देखने को मिल रहे हैं। बेहतर संख्या बल के चलते विपक्ष का उत्साहित होना स्वाभाविक है और उसके नेताओं की ओर से विभिन्न ज्वलंत मुद्दों पर सरकार को कठघरे में खड़ा करने की तैयारी में भी कुछ अनुचित नहीं, लेकिन इस तैयारी के नाम पर संसद में हंगामा और शोरशराबा करके ऐसी परिस्थितियां नहीं पैदा की जानी चाहिए जिससे संसद चलने ही न पाए। एक लंबे समय से यह देखने में आ रहा है कि विभिन्न मुद्दों पर सरकार से जवाबदेही के नाम पर विपक्ष संसद में हंगामा और अव्यवस्था पैदा करना उचित समझता आ रहा है, उसके तेवर इस बार ज्यादा ही उग्र एवं उत्तेजिक दिख रहे हैं, जो संसदीय परम्परा के लिये दुर्भाग्यपूर्ण है। सांसद चाहे जिस दल के हो, उनसे शालीन एवं सभ्य व्यवहार की अपेक्षा की जाती है। लेकिन सांसद अपने दूषित एवं दुर्जन व्यवहार से संसद को शर्मसार करते हैं तो यह लोकतंत्र के सर्वोच्च मन्दिर की गरिमा के प्रतिकूल है। संसद राष्ट्र की सर्वोच्च संस्था है। देश का भविष्य संसद के चेहरे पर लिखा होता है। यदि वहां भी शालीनता, मर्यादा एवं सभ्यता का भंग होता है तो दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र होने के गौरव का आहत होना निश्चित है। आजादी के अमृतकाल तक पहुंचने के बावजूद भारत की संसद यदि सभ्य एवं शालीन दिखाई न दे तो ये स्थितियां दुर्भाग्यपूर्ण एवं विडम्बनापूर्ण ही कही जायेगी। एक बार फिर ऐसी ही त्रासद स्थितियों से रू–ब–रू होने की स्थितियां बनना एक चिन्तनीय प्रश्न है। संसद की सार्थकता केवल इसमें नहीं है।

अब चुनाव के बाद बीजू जनता दल का अस्तित्व

उमेश

साल 2000..संसद का बजट सत्र चल रहा था..मार्च के पहले हफ्ते का कोई दिन था..लोकसभा में मंत्रियों वाली सीट की ओर एक सांसद धीरे–धीरे बढ़ रहा था..उस शख्स को देख लोकसभा की प्रेस गैलरी में हलचल मच गई..इस हलचल पर नीचे बैठे कुछ सांसदों की निगाह पड़ी..उनकी भी निगाह उसी ओर चली गई, जिधर रिपोर्टर देख रहे थे..इस बीच तत्कालीन सत्ताधारी गठबंधन के सांसदों की हथेलियां मेजों को थपथपाने लगीं. .देखते ही देखते इस हथेली कोरस में समूचे सदन की हथेलियां जुड़ गईं..क्या सत्ता पक्ष, क्या विपक्ष, हर सांसद की थपेली जैसे एक लय में मेजों को थपथपाने लगीं थी..इस कोरस में शामिल नहीं था, तो संसद के कर्मचारी और अधिकारी, जिन्हें नियम–कानून इसकी अनुमति नहीं देते..सांसदों के इस अभूतपूर्व स्वागत से उस शख्सियत का अभिभूत होना स्वाभाविक था..इस औचक घटना के बाद वह व्यक्ति विनम्रता से और भर उठा.. वह शख्सियत थे वाजपेयी सरकार के इस्पात मंत्री नवीन पटनायक...फरवरी 2000 में हुए उड़ीसा विधानसभा चुनाव में उनकी अगुआई में बीजू जनता दल ने 117 सदस्यीय विधानसभा में 68 सीटें जीत कर कांग्रेस के गढ़ को ध्वस्त कर दिया..अपने अस्तित्व के बाद बीजू जनता दल का वह पहला विधानसभा चुनाव था, जिसमें उसकी सहयोगी भारतीय जनता पार्टी थी, जिसने 38 सीटें जीती थीं..तब उड़ीसा में नया इतिहास रचा गया। राज्य के कद्दावर नेता रहे बीजू पटनायक के इकलौते इंजीनियर बेटे के तूफान में बंगाल की खाड़ी के किनारे की धरती से कांग्रेस उड़ गई। तब नया इतिहास रचा गया था। उस जीत के नायक का लोकसभा में सम्मान के लिए अगर उस कांग्रेस के सांसदों को भी मजबूर होना पड़ा था, उसकी वजह सिर्फ जीत नहीं, बल्कि उस शख्स की सादगी और विनम्रता रही। यह विनम्रता विगत 13 जून को भी भुवनेश्वर में नए मुख्यमंत्री के शपथ ग्रहण समारोह में भी दिखी, जब भूतपूर्व शासक के रूप में नवीन पटनायक शपथ मंच पर पहुंचे। इसे संयोग कहें या कुछ और कि जिस बीजेपी की बैसाखी के सहारे नवीन पटनायक ने उड़ीसा में नया इतिहास रचा, उसी बीजेपी ने ठीक 24 साल बाद नवीन पटनायक को भूतपूर्व बना दिया। अठारहवीं लोकसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र में मिले सदमे से जब बीजेपी जूझ रही थी, उसी वक्त उड़ीसा ने पार्टी को सांत्वना देने का काम किया। राज्य की 21 लोकसभा सीटों में बीस पर एकतरफा जीत हासिल करके राज्य को एक तरह से कांग्रेस मुक्त बना दिया। विपक्ष को मिली इकलौती सीट नवीन पटनायक को मिली। इतिहास हमेशा विजेता का ही है। इस लिहाज से देखें तो आज के उड़ीसा का इतिहास बीजेपी का है। लेकिन सवाल यह है कि नवीन पटनायक ने गलती कहां की? नवीन पटनायक ने विवाह नहीं किया है। उनके पिता बीजू पटनायक पहले कांग्रेस में थे, बाद के दौर में वे जनता परिवार की अहम हस्ती रहे। जनता दल के नेता के रूप में राज्य के मुख्यमंत्री बने। जब तक बीजू पटनायक जिंदा रहे, तब तक नवीन अमेरिका में इंजीनियर की नौकरी करते रहे। लेकिन उनके निधन के बाद नवीन ने नई पार्टी बनाई और बीजू पटनायक की राजनीतिक विरासत को आगे बढ़ाया। 2000 के चुनावों में जिस बीजेपी के साथ वे सत्ता की सीढ़ी नापने में कामयाब रहे, उस बीजेपी से उन्होंने बाद के दिनों में अपना रिश्ता तोड़ लिया और देखते ही देखते उड़ीसा के सबसे लोकप्रिय शख्सियत बन गए। यह लोकप्रियता बाद के हर चुनाव में दिखी, चाहे वह विधानसभा का हो या लोकसभा का या फिर पंचायती चुनाव। लेकिन अपने आखिरी कार्यकाल में उन्होंने गलतियां शुरू की। तमिलनाडु मूल के आईएएस अधिकारी वीके पांडियन उनके करीबी बनकर उभरे। विध् ाानसभा चुनावों के ठीक पहले पांडियन ने इस्तीफा दे दिया और बीजू जनता दल में नवीन के अघोषित उत्तराधिकारी के रूप में उभरते चले गए। उन्होंने चुनाव अभियान में खूब मेहनत की। उड़ीसा में यहां तक माना जाने लगा था कि आने वाले दिनों में अगर बीजू

जनता दल को जीत मिलती है तो नवीन सिर्फ नाम मात्र के मुख्यमंत्री होंगे और पांडियन असली मुख्यमंत्री होंगे। जिस उड़ीसा के लोग पूरे देश में रोजगार और पढ़ाई के लिए फैले हुए हैं, जहां के सॉफ्टवेयर इंजीनियरों की तूती अमेरिका के सिलिकॉन वैली तक में बोलती है, उसी उड़ीसा के लोगों का अपना स्वाभिमान जाग उठा। उन्हें नवीन पटनायक तो पसंद रहे, लेकिन उनके उत्तराधिकारी के रूप में वी के पांडियन पसंद नहीं रहे। उड़िया बनाम बाहरी का नारा लगा और भारतीय जनता पार्टी ने इसे जन नारा बना दिया। इसका असर यह हुआ कि बीजेपी ने उस नवीन पटनायक को किनारे लगा दिया, जिन्होंने कभी उसका हाथ झटककर उसे किनारे लगा दिया था। वी के पांडियन की पत्नी भी उड़ीसा में आईएएस अफसर हैं। सुजाता कार्तिकेयन और पांडियन की जोड़ी पिछले पांच साल में सबसे ज्यादा प्रभावी हुई। उड़ीसा ऐसा राज्य है, जहां कम पढ़े लिखे, और कई बार अनपढ़ आदिवासी आबादी के साथ ही सवर्ण और पढ़े–लिखे प्रभावी लोगों का बेहतर अनुपात है। आदिवासी समुदाय में चर्चों का प्रभाव है। चर्च के प्रभाव को रोकने के लिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और विश्व हिंदू परिषद यहां गहरे तक सक्रिय है।

कांग्रेस ने संविधान को समाप्त कर सन् 1975 में इमरजेंसी लगाई थी - जिला प्रभारी शंकर लाल लोधी

हरदोई(अंबरीष कुमार सक्सेना) 25 जून 1975 की रात्रि में कांग्रेस द्वारा संविधान की हत्या कर भारत में आपातकाल लागू किया गया।

आज उसकी बरसी पर भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय पर गोष्ठी का आयोजन हुआ तथा जिले भर से आये लोकतंत्र सेनानियों को माला पहना तथा अंग वस्त्र भेंट कर सम्मानित किया गया।

मुख्य अतिथि के रूप में आए जिला प्रभारी शंकर लाल लोधी ने अपने संबोधन में कहा जो कांग्रेस के नेता आज संविधान की किताब दिखाकर तरह–तरह के झूठ पर प्रपंच कर रहे हैं उसी कांग्रेस ने संविधान को समाप्त कर सन् 1975 में इमरजेंसी लगाई थी। सबके मौलिक अधिकार समाप्त हो गए थे मीडिया पर सेंसर लगा दिया गया विपक्षी नेताओं को जेल में ठूंस दिया यहां तक की कमिटेड ज्यूडिशरी के नाम पर हाई कोर्ट तथा सुप्रीम कोर्ट को भी डराने का काम किया गया।

विडंबना है कि कांग्रेस ने जिन मुलायम सिंह के साथ भी वही दमनकारी व्यवहार किया उनके पुत्र अखिलेश यादव आज अपनी क्षुद्र राजनीति के चलते उसी कांग्रेस के साथ खड़े हैं।

यदि अखिलेश यादव में शर्म बाकी हो तो उन्हें भी आज कांग्रेस की तानाशाही एवं लोकतंत्र की हत्या कर आपातकाल लगाने का जवाब मांगना चाहिए वह कुछ ना कर सके तो कम से कम अपने पिता के ऊपर किए गए अत्याचारों पर आवश्यक प्रश्न पूछना चाहिए। पर ऐसा लगता है तुष्टिकरण की राजनीति के चलते उनका मुंह सिल गया है।

इमरजेंसी के दौरान विपक्ष विहीन संसद में 38 वां 39 वां 40 वां 41 वां एवं 42 वां संशोधन कर उसे संसद जिसमें सिर्फ कांग्रेस के सांसद थे संसद को संविधान को नष्ट करने जोड़ने बदलने या निरस्त करने की निरंकुश शक्ति प्रदान की गई।

संसद या राज्य में कोरम की आवश्यकता समाप्त कर दी गई एक अकेला सांसद एक अधिनियम पारित कर सकता था।

न्यायपालिका किसी भी आधार पर संविधान में संशोधन पर सवाल नहीं उठा सकती थी मौलिक अधिकारों में संशोधन को न्यायिक समीक्षा से परे कर दिया गया।

संविधान के प्रियंबल में छेड़छाड़ कर धर्मनिरपेक्ष जैसे शब्द जोड़े गए।

न्यायपालिका चुनाव में भ्रष्टाचार में दोषी पाए गए किसी भी सांसद को आयोग नहीं ठहरा सकती थी।

जवान बुजुर्ग यहां तक कि कम उम्र बालकों की भी जबरदस्ती नसबंदियां की गई। विरोध करने वाले किसी भी व्यक्ति को उठाकर जेल में डाल दिया जाता था।

जिला अध्यक्ष अजीत सिंह बब्बन ने कहा जो स्वयं संविधान के हत्यारे हैं लगातार संविधान दिखाकर लोगों में झूठ और भ्रम फैला रहे हैं बगुला भगत बन रहे हैं जनता को इनसे सतर्क रहने की आवश्यकता है।

जनता को यह जानने की आवश्यकता है कि आज तक कांग्रेस सरकार ने 75 बार संविधान संशोधन किया है ।

1947 से 2014 के बीच कांग्रेस ने 90 बार आर्टिकल 356 का दुरुपयोग कर प्रदेशों में विपक्षी पार्टियों की सरकारें गिरायी है। विडंबना है कि ये तानाशाह मोदी को कहते हैं।

इसी कांग्रेस ने इस चुनाव में गृहमंत्री अमित शाह का आरक्षण को लेकर फर्जी वीडियो बनाया और उसे प्रचारित किया। भारतीय जनता पार्टी सदैव कांग्रेस के संविधान विरोधी कृत्यों से लड़ती रही और आगे भी लड़ती रहेगी दोबारा देश को कांग्रेस द्वारा भ्रष्टाचार कर लूटने नहीं देगी।

गोष्टी को लोकतंत्र सेनानी संगठन के जिला अध्यक्ष रामकिशन राठौर पूर्व जिला अध्यक्ष विद्याराम वर्मा श्री कृष्ण शास्त्री राजीव रंजन मिश्रा राम बहादुर सिंह क्रय विक्रय अध्यक्ष सुशील अवस्थी छोटे महाराज अरविंद सिंह भालोद आदि ने भी संबोधित किया। संचालन कार्यक्रम के संयोजक राजेश अग्निहोत्री ने किया।

प्रमुख रूप से नगर पालिका अध्यक्ष सुखसागर मिश्र मधुर पीके वर्मा जिला उपाध्यक्ष संदीप सिंह प्रीतेश दीक्षित संजय सिंह गुड्डू महामंत्री ओम वर्मा सत्येंद्र राजपूत जिला मंत्री अविनाश पांडे अजय शुक्ला मीना वर्मा जिला मीडिया प्रभारी गांगेश पाठक प्रचार मंत्री संदीप अवस्थी पिछड़ा वर्ग मोर्चा अध्यक्ष वेदराम राजपूत किसान मोर्चा अध्यक्ष विश्वराज सिंह आईटी संयोजक सौरभ सिंह सोशल मीडिया संयोजक प्रदुमन मिश्र अविनाश मिश्रा रीना गुप्ता अनुराधा मिश्रा रीना गुप्ता चेतना शुक्ला आदि गोष्ठी में मौजूद रहे।

बैंक ऑफ इंडिया के खाताधारकों को मिल रहीं बेहतर सुविधाएं – शशि मोहन

हरदोई(अंबरीष कुमार सक्सेना) शाहाबाद कस्बे के मोहल्ला चौक स्थित बैंक ऑफ इंडिया की शाखा में खाताधारको को बेहतर सुविधाये दी जा रही है और सरकार द्वारा प्रदत्त योजनाओं का लाभ पात्र लोगों को दिया जा रहा है। बैंक ऑफ

इंडिया के मैनेजर शशि मोहन ने बताया कि उनकी पहली प्राथमिकता सभी स्तर पर कार्यों मे पारदर्शिता के साथ ग्राहकों को बेहतर सुविधा देना है।ग्राहकों की बढ़ी हुई भीड़ को देखते हुए ग्राहकों को भुगतान देने के लिए बैंक के अंदर निकासी और जमा के पर्याप्त काउंटर चलाए जा रहे हैं।और सुविधा देने के लिए केवाईसी का काउंटर भी चल रहा है जिसके चलते ग्राहकों को कोई परेशानी न हो।कोई बुजुर्ग,विकलांग ग्राहक आता है तो उसका कार्य सुविधाजनक रूप से बिना लाईन के किया जाता है एवं कोई भी बीमार ग्राहक बैंक के बाहर आता है गाड़ी मे या रिक्शा में तो उसका कार्य बाहर ही कर दिया जाता है जिससे उसे कोई असुविधा न हो। बैंक में सारे कार्य सरकार की गाइड लाइन के अनुसार ही हो रहे है।बैंक की ओर से चलाई जा रही योजनाओं को भी ग्राहकों को लाभ दिया जा रहा है ।होम गोल्ड ,गोल्ड लोन, मुद्रा लोन ,शिक्षा ऋण की सुविधाएं सुलभ स्तर पर और कम ब्याज दर पर उपलब्ध हैं।सरकार की समस्त लाभकारी योजनाओं का लाभ पात्र ग्राहकों तक पहुंचाना उनका लक्ष्य है।जिसमे पीएम स्वनिधि योजना, मुख्यमंत्री योजना, प्रधान मंत्री जीवन ज्योति बीमा, प्रधान मंत्री सुरक्षा बीमा योजना, अटल पेंशन योजना के अंतर्गत लोगों को सुविधा मिल रही है।बैंक की तरफ से समस्त सरकार की योजनाओं के लिए समय समय पर कैंप का आयोजन भी किया जाता है। बेहतर सुविधा के कारण ही बैंक ऑफ इंडिया जनपद में लीड बैंक है। जिसमे ऋण अधिकारी शोभित श्रीवास्तव,केवाईसी अमर चौधरी,कैशियर संजय व असलम आदि अपने कार्यों को पूरी निष्ठा और ईमानदारी से करते हुए अपने कर्तव्यों का निर्वाहन कर रहें है।समस्त स्टाफ की अच्छी सेवाओं से ग्राहकों की संतुष्टि देखने को मिल रही है।

उच्चाधिकारियों के निर्देश पर ई फाइलिंग की व्यवस्था – बाल मुकुंद प्रसाद

हरदोई(अम्बरीश कुमार सक्सेना) जिला विद्यालय निरीक्षक बाल मुकुंद प्रसाद ने बताया कि उच्चाधिकारियों के निर्देश पर ई फाइलिंग की व्यवस्था शुरू की जा रही है। शासन

के निर्देश पर माध्यमिक शिक्षा परिषद के सभी कार्यालयों में ई फाइलिंग की व्यवस्था शुरू करने के निर्देश दिए गए हैं। इसके तहत जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय में एक ईएमडी का पद स्वीकृत किया गया है। जो ई– फाइल की मानीटरिंग करेंगे। जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय में ई फाइलिंग होने से जहां कार्य में पारदर्शिता आएगी, वहीं समय सीमा निर्धारित होने पर कार्य भी समय से पूरा होगा। इससे शिक्षकों व विद्यालय संचालकों को लाभ मिलेगा। माध्यमिक शिक्षा विभाग के कार्यों की पत्रावली अब अधिकारी व कर्मचारी दबा नहीं सकेंगे। माध्यमिक शिक्षा विभाग के कार्य ई–फाइल के माध्यम से किए जाएंगे। इससे कार्य में पारदर्शिता आएगी और समय सीमा भी निर्धारित होंगी। जिससे शिक्षकों को लाभ मिलेगा। माध्यमिक शिक्षा परिषद से संबद्ध 635 विद्यालय संचालित हैं। इनमें 55 राजकीय माध्यमिक और 72 एडेड विद्यालय संचालित हैं। सरकारी व एडेड विद्यालयों में शिक्षकों की पत्रावली आदि का कार्य भी जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय से किया जाता है। इसके अलावा पूर्व के कर्मचारियों की विभिन्न पत्रावलियां चल रही हैं। इसके अलावा कोचिंग पंजीकरण, परीक्षा केंद्र निर्धारण, मान्यता आदि के कार्य होते है।

कोचिंग जा रहे छात्र को पिकअप ने कुचला, मौत

अयोध्या। अयोध्या–रायबरेली हाईवे पर मऊ शिवाला बाजार के निकट तेज रफ्तार पिकअप ने साइकिल सवार इंटर के छात्र को कुचल दिया। प्रत्यक्षदर्शियों ने छात्र के शव को पिकअप में फंसकर 200 मीटर दूरी तक घसीटता देख दौड़कर चालक को दबोच लिया। दुर्घटना करने वाले आरोपी को पकड़कर स्थानीय लोगों ने पुलिस हवाले कर दिया।बताते चलें कि जिले के थाना पूरा कलंदर थाना क्षेत्र के सरियावां मजरे पहली का पुरवा निवासी पवन कुमार का 15 वर्षीय बेटा लकी कोचिंग पढ़ने के लिए साइकिल से अयोध्या शहर की ओर जा रहा था। मऊ शिवाला बाजार पार करते ही एकल दिशा में मिल्कीपुर बाजार से यात्रियों को बैठाकर अयोध्या शहर की ओर जा रही तेज रफ्तार पिकअप की चपेट में आने से कुचल गया। छात्र के शव को घिसटता देख प्रत्यक्षदर्शियों ने गुहार लगाते हुए पिकअप समेत चालक को दबोच लिया। इसी बीच मौके पर पहुंची कैंट पुलिस के हवाले कर दिया।पुलिस चालक समेत पिकअप को कैंट ले गई।द शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया।कोतवाली कैंट प्रभारी संजय मौर्य का कहना है कि मृतक के परिजनों द्वारा अभी लिखित तहरीर नहीं दी गई है।

आस्था कृष्ण धाम में सुंदर कांड पाठ के साथ किया गया विशाल भंडारे का आयोजन

ब्यूरो चीफ आर एल पांडेय

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के आशियाना सेक्टर आई स्थित आस्था कृष्ण धाम ट्रस्ट की ओर से आज सुंदर कांड पाठ के साथ विशाल भंडारे का किया गया है आयोजन। बता दे कि आस्था कृष्ण धाम ट्रस्ट के तत्वावधान में 22 जून से एलपीएस पार्क में चल रहा है मर्यादा पुरुषोत्म भगवान श्री राम की नव दिवसीय संगीतमयी कथा महोत्सव। इसी उपलक्ष में आज आस्था कृष्ण धाम में किया गया है विशाल भंडारे का आयोजन। इसी क्रम में ट्रस्ट के अध्यक्ष एडवोकेट संतोष त्रिपाठी ने बताया कि ट्रस्ट के माध्यम से वह सनातन धर्म का प्रचार कर रह हैं। ट्रस्ट के माध्यम से गरीबों एवं असहायों की मदद कर मानव सेवा करना मुख्य उद्देश्य है।

थाना गाजीपुर पुलिस टीम द्वारा 01 शातिर वाहन चोर अभियुक्त गिरफ्तार

ब्यूरो चीफ आर एल पांडेय

लखनऊ। थाना गाजीपुर पुलिस टीम द्वारा डी. के लॉन चौराहा से मोटर साईकिल चोरी करने वाले अभियुक्त को चोरी की हुई मोटर साईकिल के साथ किया गया गिरफ्तार, घटना का संक्षिप्त विवरण बताते हुए पुलिस ने कहा कि थाना स्थानीय पर दिनाँक 16/06/2024 को वादी मुकदमा श्री जुबेर पुत्र मो०जब्बार निवासी 206 ग्राम बरेठी गदिया जिला बाराबंकीकी तहरीरी सूचना बावत आवेदक की मोटर साइकिल एचएफ डीलक्स रंग ग्रे ब्लैक गाडी स0 UP 41BD9660 को किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा चोरी कर लेने के सम्बन्ध में मु०अ०सं० 0256/2024 धारा 379 भादवि पंजीकृत किया गया। दिनाँक 23/06/2024 को थाना गाजीपुर पुलिस टीम द्वारा तलाश संदिग्ध व्यक्तिध्वाहन क्षेत्र में भ्रमणशील होकर जमीनी सूचनातंत्र व सीसीटीवी फुटेज आदि का सहारा लेते हुए थाना गाजीपुर लखनऊ क्षेत्र में मौजूद थे। कि जरिए अभिसूचक सूचना प्राप्त हुई कि एक अज्ञात व्यक्ति जो उक्त चोरी की मोटरसाइकिल लेकर कमता से डी0के0 लान होते हुए मुलायम नगर की तरफ जा रहा है इस सूचना पर विश्वास कर पुलिस बल द्वारा अभिसूचक के बताये गये स्थान पर पहुँचकर घेरघार कर उस व्यक्ति को पकड़ लिया गया। पकड़े गये व्यक्ति से नाम पता पूछा गया तो अपना नाम राजेश कुमार पुत्र स्व० मोहनलाल निवासी कमता थाना चिनहट जनपद लखनऊ उम्र 28 वर्ष, बताया तथा उक्त व्यक्ति के पास से बरामद मोटरसाइकिल UP 41BD9660 एच.एफ. डीलक्स रंग काला जिसका इंजन नं0 HA11ESNGKO&4700 व चेचिस नं0 MBLHA 144NGK12905 अंकित हैं के सम्बन्ध में पूछने पर बता रहा है कि यह मोटरसाइकिल UP41 BD9660 को मुलायम नगर के पास से तीन–चार महीने पहले चोरी की थी जिसे मै बेचने की फिराक में जा रहा था तभी पुलिस ने पकड़ लिया।

दंत विज्ञान संकाय, किंग जार्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी द्वारा पूरे ७ दिनों (19-25 जून) तक विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से मनाया गया

ब्यूरो चीफ आर एल पांडेय

लखनऊ। प्रत्येक वर्ष 19 जून, राष्ट्रीय सार्वजनिक स्वास्थ्य दंत चिकित्सक दिवस के रूप में मनाया जाता है। इसका लक्ष्य लोगों के बीच मुख् स्वास्थ्य या तम्बाकू के दुष्परिणामों को लेकर जागरूकता फैलाना है। इसे पब्लिक हेल्थ डेंटिस्ट्री विभाग, दंत विज्ञान संकाय, किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी द्वारा पूरे ७ दिनों (19–25 जून) तक विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से मनाया गया जिसमें सरोजिनी नगर स्थित पीएचसी में गर्भावस्था में अपने या बच्चों की मुख स्वास्थ्य की कैसे देखभाल करें इसके हेतु जागरुकता की गई । इसी के साथ विभाग में विभिन्न प्रतियोगिताओं की गई जिसमें मुख स्वस्थ संबंध स्लोगन, पोस्टर, बैनर, रील्स , और क्विज का आयोजन किया गया। इसी के साथ बाबू जग जीवन राम रेलवे सुरक्षा बल अकादमी में, रेल के अफसरों को तंबाकू उद्योग या प्रतिबंध या कानून के बारे में जानकारी प्रदान की गई। इस कार्यकम को विभाग के डॉ. विनय कुमार गुप्ता (विभागाध्यक्ष), डॉ. गौरव मिश्रा (प्रोफेसर), डॉ. सुमित कुमार (प्रोफेसर), और डॉ. खुशबू आरिफ (वरिष्ठ रेजिडेंट), डॉ. श्रीजा, डॉ. आयुषी आदि लोगो द्वारा सफल बनाया गया।

सेनानायक पंकज पाण्डेय ने किया 27वीं पीएसी पूर्वी जोन अंतर वाहिनी कुस्ती-क्लस्टर प्रतियोगिता-2024 का शुभारंभ

अयोध्या। 34वीं वाहिनी पीएसी वाराणसी मीडिया सेल के मुताबिक 34 वीं वाहिनी पीएसी की मेजबानी में मंगलवार को 27वीं पीएसी पूर्वी जोन अंतर वाहिनी कुस्ती–क्लस्टर प्रतियोगिता–2024 का शुभारंभ आयोजन सचिव, पंकज कुमार पांडेय, सेनानायक, 34वीं वाहिनी पीएसी वाराणसी द्वारा 34वीं वाहिनी पीएसी भुल्लनपुर वाराणसी परिसर में किया गया। इस प्रतियोगिता में उत्तर प्रदेश पीएसी पूर्वी जोन की विभिन्न 10 वाहिनियों से (4वीं वाहिनी, 12वीं, 20वीं, 33वीं, 34वीं, 36वीं, 37वीं, 39वीं, 42वीं तथा 48वीं वाहिनी) से कुल 251 खिलाड़ियों द्वारा प्रतिभाग किया जा रहा है।पीएसी अंतर वाहिनी के विभिन्न शटीम मैनेजर्सश से मुख्य अतिथि द्वारा परिचय प्राप्त किया। इस मौके पर मुख्य अतिथि सेनानायक पंकज कुमार पाण्डेय ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि खेल से शारीरिक व मानसिक विकास तो होता ही है इसके साथ ही साथ खिलाड़ियों मे आपसी भाईचारे व अनुशासन की भावना की जागृति पैदा होती है। उसके बाद उन्होंने समस्त टीमों की ग्राउण्ड से शमार्च पास्टश की कार्यवाही बैण्ड की मधुर धुन पर सभी टीमों द्वारा उत्कृष्ट टर्नआउट के साथ संपन्न हुई।टीमों के मार्च पास्ट द्वारा दिये गये अभिवादन को मुख्य अतिथिध्आयोजन सचिव पंकज पाण्डेय द्वारा सलामी मंच से स्वीकार किया गया। इस मौके पर प्रतिभागियों के इस अच्छे प्रदर्शन का दर्शकों द्वारा ताली बजाकर स्वागत किया गया। तत्पश्चात आयोजन सचिव द्वारा सलामी मंच से इस प्रतियोगिता के शुभारंभ की घोषणा की गयी। कार्यक्रम के दौरान नरेश सिंह यादव सहायक सेनानायक,अजय प्रताप सिंह, शिविर पाल, गोपाल जी दूबे सूबेदार मेजर व वाहिनी के अन्य अधिकारी /कर्मचारी व बड़ी संख्या में खेल जगत से जुड़े खिलाड़ी व आमंत्रित अतिथि उपस्थित रहे।

भाजपा कार्यालय पर भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओ ने काला दिवस मनाया

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष पुष्पराज सिंह के अध्यक्षता मे भाजपा कार्यालय पर काला दिवस मनाया गया। जिसमे मुख्य अतिथि के रूप प्रदेश प्रवक्ता अशोक पाण्डेय और विशिष्ट अतिथि के रूप मे लोकतंत्र सेनानी के जिलाध्यक्ष एव पूर्व विधायक सुरेंद्र प्रताप सिंह उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि के रूप मे प्रदेश प्रवक्ता अशोक पाण्डेय ने कहा कि इंदिरा गांधी द्वारा भारत में 1975 में लगाया गया आपातकाल भारत के लोकतांत्रिक इतिहास में सबसे बड़ी घटना है। आज की पीढ़ी आपातकाल के बारे में सुनती जरूर है, लेकिन उस दौर में क्या घटित हुआ, इसका देश और तब की राजनीति पर क्या असर हुआ, इसके बारे में बहुत कम ही पता है। स्वतंत्र भारत के इतिहास में यह सबसे विवादास्पद और अलोकतांत्रिक समय था आपातकाल में चुनाव स्थगित हो गए थे और सभी नागरिक अधिकारों को समाप्त कर दिया गया था। इसका जड़ 1971 में हुए लोकसभा चुनाव था, जिसमें उन्होंने अपने मुख्य प्रतिद्वंद्वी राजनारायण को पराजित किया था। लेकिन चुनाव परिणाम आने के चार साल बाद राज नारायण ने हाईकोर्ट में चुनाव परिणाम को चुनौती दी। 12 जून, 1975 को इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायाधीश जगमोहन लाल सिन्हा ने इंदिरा गांधी का चुनाव निरस्त कर उन पर छह साल तक चुनाव न लड़ने का प्रतिबंध लगा दिया और उनके चिरप्रतिद्वंद्वी राजनारायण सिंह को चुनाव में विजयी घोषित कर दिया था।

विशिष्ट अतिथि सुरेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि इलाहाबाद उच्च न्यायालय द्वारा उनके चिरप्रतिद्वंद्वी राजनारायण सिंह को चुनाव में विजयी घोषित करने के वावजूद श्रीमती गांधी ने इस्तीफा देने से इनकार कर दिया इसी दिन गुजरात में चिमनभाई पटेल के विरुद्ध विपक्षी जनता मोर्चे को भारी विजय मिली। इस दोहरी चोट से इंदिरा गांधी बौखला गईं और अदालत के इस निर्णय को मानने से इनकार करते हुए सर्वोच्च न्यायालय में अपील करने की घोषणा की और 26 जून को आपातकाल लागू करने की घोषणा कर दी इस दौरान जनता के सभी मौलिक अधिकारों को स्थगित कर दिया गया सरकार विरोधी भाषणों और किसी भी प्रकार के प्रदर्शन पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया गया समाचार पत्रों को एक विशेष आचार संहिता का पालन करने के लिए विवश किया गया, जिसके तहत प्रकाशन के पूर्व सभी समाचारों और लेखों को सरकारी सेंसर से गुजरना पड़ता था। जिलाध्यक्ष पुष्पराज सिंह ने कहा कि आपातकाल की घोषणा के साथ ही सभी विरोधी दलों के नेताओं को गिरफ्तार करवाकर अज्ञात स्थानों

पर रखा गया। सरकार ने मीसा (मैंटीनेन्स ऑफ इंटरनल सिक्यूरिटी एक्ट) के तहत कदम उठाया। उस समय बिहार में जयप्रकाश नारायण का आंदोलन अपने चरम पर था। कांग्रेस के कुशासन और भ्रष्टाचार से तंग जनता में इंदिरा सरकार इतनी अलोकप्रिय हो चुकी थी कि चारों ओर से उन पर सत्ता छोड़ने का दबाव था, लेकिन सरकार ने इस जनमानस को दबाने के लिए तानाशाही का रास्ता चुना। 25 जून, 1975 को दिल्ली में हुई विराट रैली में जय प्रकाश नारायण ने पुलिस और सेना के जवानों से आग्रह किया कि शासकों के असंवैधानिक आदेश न मानें। तब जेपी को गिरफ्तार कर लिया गया। यह ऐसा कानून था जिसके तहत गिरफ्तार व्यक्ति को कोर्ट में पेश करने और जमानत मांगने का भी अधिकार नहीं था। विपक्षी दलों के सभी नेताओ को जेल भेज दिया गया इस दौरान सरकार ने संविधान में परिवर्तन कर एक ऐसी व्यवस्ध्था को पनपने का आधार तैयार किया जिसको राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के मुखपत्र आर्गनाइजर ने पारिभाषिक दाग का नाम दिया। पत्र के संपादकीय में कहा गया कि ये समाज में वैमनस्यता, भेदभाव को बढ़ाने का काम करेगा। जिला मीडिया प्रभारी आमोद कुमार सिंह ने बताया कि इस दौरान आये हुए लोकतंत्र सेनानी को सम्मानित किया गया जिनमे मुख्य रूप से नरसिंह बहादुर सिंह, बाबूराम मिश्रा, रामस्वरूप, रामधारी यादव, मदन मोहन यादव, राम प्रसाद यादव, भगवती प्रसाद यादव, रामस्वरूप यादव, शंकर यादव, राम सिंगार यादव, ओमप्रकाश, लालता प्रसाद यादव, सभाजीत यादव, त्रिभुवन नाथ मौर्या, त्रिभुवन सिंह, ओमप्रकाश, महादेव चौरसिया, लालता प्रताप यादव, भोला मौर्य, रतिराम यादव, राजेंद्र प्रसाद गुप्ता, लल्लन यादव, शारदा देवी, गुलशन मौर्य, तहसीलदार, राजेंद्र, कृष्णावती मिश्रा, राम सागर तिवारी, कमला देवी निषाद, दयाराम शर्मा, बलवंती देवी, ज्ञान देव तिवारी, भोलानाथ यादव, कपिल देव तिवारी, इंद्रपाल सिंह, जयप्रकाश तिवारी, कालुराम चौरसिया, हरिशंकर यादव, राजदेव यादव, शांति देवी, मनोज यादव, जनार्दन तिवारी, आद्या प्रसाद मिश्रा, लक्ष्मी शंकर, राजाराम सरोज, रमेश चंद्र उपाध्याय, नीलम यादव, राजाराम गौड़, राज बहादुर यादव, राधेश्याम प्रजापति, रामजतन देवी, छोटे लाल यादव, राम उजागर, जयंती प्रसाद मौर्य, विश्राम सिंह राम प्रसाद पाल, लालचंद मौर्या, अमन पाल, उमाशंकर सरोज, जय नाथ पाल, मोतीलाल मौर्य, बृजेश सिंह, छोटेलाल शुक्ला, रमेश चंद्र मौर्य को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री सुनील तिवारी ने किया। उक्त अवसर पर पियूष गुप्ता सुरेंद्र सिंघानिया ओमप्रकाश सिंह विनीत शुक्ला रोहन सिंह इंद्रसेन सिंह एव समस्त मंडल अध्यक्ष उपस्थित रहे।

40 वर्षीय व्यक्ति पर 11 वर्षीय बालिका के साथ दुष्कर्म का आरोप

जौनपुर। केराकत कोतवाली अंतर्गत थानागद्दी पुलिस चौकी क्षेत्र के एक गांव में एक बगीचे में आम बीनने गयी एक 11 वर्षीया बालिका के साथ 40 वर्षीय व्यक्ति द्वारा डरा ,धमका कर उसके साथ दुष्कर्म किये जाने का मामला प्रकाश में आया है। आरोप है कि दुष्कर्म करने वाला व्यक्ति ने पीड़िता को मारा पीटा तथा धमकी दिया। कि अगर किसी से बता दोगीं तो तुम्हे और तुम्हारे परिवार को जान से मार डालेंगे।इस मामले की जानकारी पुलिस को हुई लेकिन कोई ठोस कदम नही उठाया गया। पीड़ित के परिजन थक कर हारने के बाद एक अधिवक्ता के साथ केराकत कोतवाली पहुंचे तो पुलिस ने दूसरे दिन सोमवार को मुकदमा दर्ज किया।

बालिका अपने ननिहाल में रहती है। वह रविवार को शाम को चार बजे थोड़ी दूर स्थित एक बगीचे में आम बीनने गयी थी। आरोप ये है कि अकेले उसे देखकर चालीस वर्षीय व्यक्ति की नीयत खराब हो गयी और उसे धर दबोच कर डरा धमका कर उसके साथ उसने जबरदस्ती दुष्कर्म कर दिया। यहीं नही उसकों मारा पीटा तथा यह धमकी दिया कि किसी से मत बताना नही तो तुमको और तुम्हारे परिवार वालों को जान से मार डालेंगे। पीड़ित ने घर पहुंचकर आप बीती घटना की जानकारी अपनी मामी को दिया। उसके बाद परिजन उसे लेकर पुलिस थानागद्दी चौकी आये। जहा पुलिस ने कहा कि जांच कर रहे है। और घण्टो चौकी पर बैठाए रखने के बाद यह कहकर वापस भेज दिया कि जाओ।पुलिस मुलजिम को गिरफ्तार करेगीं ।किंतु कोई न्याय मिलता न देखकर।

बाइक को टक्कर मारकर भाग रहे कार सवार रईसजादे ने अधिवक्ता को रौंदा, मौत

कानपुर, संवाददाता। कानपुर में वीआईपी रोड पर रैना मार्केट के पास एक बाइक सवार को टक्कर मारकर भाग रहे उत्तर प्रदेश सरकार लिखी कार के चालक को रोकना एक अधिवक्ता को भारी पड़ गया।

कार को आगे बढ़ने से रोकने के लिए सड़क के बीच खड़े अधिवक्ता को रईसजादा रौंदते हुए भाग गया। कार के नीचे फंसने की वजह से अधिवक्ता करीब 50 मीटर घिसटते चले गए, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने अधिवक्ता के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर कार व चालक की तलाश शुरू कर दी है। ग्वालटोली थानाक्षेत्र के एमएम कालोनी निवासी भोला तिवारी (50) अधिवक्ता थे। वह रविवार की रात किसी काम से रैना मार्केट गए थे। उसी दौरान उत्तर प्रदेश सरकार लिखी तेज रफ्तार हुंडई कंपनी की वेन्यू कार ने एक बाइक सवार को टक्कर मार दी। बाइक सवार के सड़क पर गिरने के बाद चालक तेजी से कार चलाकर भागने लगा।

फर्जी दस्तावेजों से करोड़ों का मकान हड़पने में सगे व चचेरे भाइयों समेत 11 पर रिपोर्ट

कानपुर, संवाददाता। फर्जी पारिवारिक सदस्यता प्रमाण पत्र बनवाकर करोड़ों रुपये का मकान हड़पने के मामले में पीड़ित महिला ने स्वरूपनगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। पीड़ित महिला की तहरीर पर सगे व चचेरे भाइयों व दो सेवानिवृत्त आईएएस अफसर समेत 11 लोगों के खिलाफ कूटरचित दस्तावेजों से धोखाधड़ी रिपोर्ट दर्ज की है। चकेरी के गांधीग्राम निवासी अभिज्ञा सिंह चंदेल ने बताया कि उनके पिता नरेंद्र कुमार सिंह और उनके भाइयों के नाम पर स्वरूपनगर गुटैया में 650 वर्गगज का मकान है। आरोप है कि उसके सगे भाई अनंत कुमार सिंह ने चचेरे भाई दिलीप सिंह, अवनीश, अखिलेश व अनिल कुमार सिंह व दो सेवानिवृत्त आईएएस अफसर के साथ मिलकर करोड़ों का मकान हड़पने का प्रयास किया। अभिज्ञा का आरोप है कि आरोपियों ने प्लॉट का नामांतरण कराने के लिये वर्ष 2011 में फर्जी पारिवारिक सदस्यता प्रमाण पत्र बनवा लिया। इसमें उन्हें परिवार का सदस्य ही नहीं दर्शाया गया। घटना की जानकारी होने पर अभिज्ञा सिंह ने पारिवारिक सदस्यता प्रमाण पत्र को रद्द कराने के लिए आवेदन किया। इसकी जांच के बाद बीते 14 मार्च को उसे निरस्त कर दिया गया। इसके बाद स्वरूपनगर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की। थाना प्रभारी राजेश कुमार शर्मा ने बताया कि रिपोर्ट दर्जकर मामले की जांच की जा रही है।

पंखा ऑन करते समय किशोर को लगा करंट

फिरोजाबाद, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद में पंखा ऑन करते समय किशोर की करंट लगने से मौत हो गई। परिजन जिंदा होने की आस में जिला अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। किशोर की मौत के बाद परिवार में कोहराम मचा हुआ है। घटना जसराना थाना क्षेत्र के नगला गाज गांव की है। गांव निवासी रजनेश (16) पुत्र चंद्रवंशी सोमवार सुबह घर पर था। वह पंखा चलाने के लिए उसके तार लगा रहा था। तभी अचानक करंट लग गया और पंखा रजनेश पर गिर गया। करंट इतनी जोर से लगा कि वह उठ नहीं सका। आनन–फानन में परिजन उसे जिला अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। किशोर की मौत की खबर सुनते ही परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल हो गया। परिजन ने बताया कि वह कक्षा नौ का छात्र था और दो भाई व दो बहनों में सबसे छोटा था। परिजनों ने पोस्टमार्टम कराने से इंकार कर दिया और शव को पोस्टमार्टम के लिए ले गए। इंस्पेक्टर अंजीश कुमार सिंह ने बताया कि परिजनों ने किशोर का पोस्टमार्टम कराने से इंकार कर दिया था। करंट लगने से उसकी मौत हुई है।

अंतिम संस्कार से वापस लौट रहे बाइक सवार चार लोगों पर गिरी आकाशीय बिजली

बिजनौर, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के बिजनौर में धामपुर थानाक्षेत्र के भूतपुरी में रामगंगा घाट पर एक युवक का अंतिम संस्कार कर लौट रहे दो बाइकों पर सवार चार लोगों पर आकाशीय बिजली गिर गई। हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई।अन्य तीन लोगों झुलस गए। तीनों का धामपुर के निजी अस्पताल में उपचार कराया जा रहा है। हादसे से मृतक के परिजनों में कोहराम मचा है। शेरकोट थाने के गांव मुबारकपुर गांवड़ी निवासी अंकित ने बताया कि गांव के संजीव कुमार(45) की रविवार को हार्टअटैक आने से उसके समय मौत हो गई थी। जब वह गांव में लगने वाले बाजार से खरीदारी करने गया था। संजीव की मौत के बाद परिजन ,रिश्तेदार पार्थिव शरीर का अंतिम संस्कार करने के लिए सोमवार को भूतपरी के रामगंगा घाट पर लाए थे। मृतक संजीव के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए गांव के भी काफी लोग पहुंचे थे। बताया गया कि जब अंतिम संस्कार के बाद रामगंगा घाट से गांव के लोग वापस अपने घरों को लौट रहे थे। तो इस दौरान रामगंगा पुल के निकट दो बाइकों पर सवार चार लोगों पर अचानक आकाशीय बिजली गिर गई। आकाशीय बिजली के गिरने के कारण गंभीर रूप से झुलसे सभी चारों लोगों को उपचार के लिए धामपुर के निजी असपताल में भर्ती कराया गया। जहां पर चिकित्सकों ने रूपेंद्र सिंह पुत्र स्वर्गीय महेश कुमार को मृत घोषित कर दिया जबकि गंभीर रूप से झुलसे गांव के अरविंद कुमार, अनिल कुमार और ओमप्रकाश का धामपुर के निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है। घटना कापता लगने पर सीओ अफजलगढ़ अर्चना सिंह ने अस्पताल पहुंचकर घायलों का हाल जाना। गांव के लोगों ने बताया कि मृतक रूपेंद्र सिंह परिवार में चार भाईयों में सबसे छोटा था। दो बच्चों का पिता था। दो भाईयों की पहले मौत हो चुकी है। अब केवल चार भाईयों में सबसे बड़े भाई शिशुपाल सिंह बचे है।

घटना से गांव के लोग हतप्रभ

गांव के लोगों का कहना है कि जिसकी भगवान के यहां से बुलावा आ गया है। वहीं जाता है। हाईवे 74 पर न जाने कितने लोग अपने वाहनों से आ–जा रहे है। किसी और पर आकाशीय बिजली नहीं गिरी। जबकि बाइक सवारों के साथ आगे पीछे गांव के अन्य लोग भी ट्रैक्टर ट्राली व अन्य वाहनों में सवार होकर घर वापस लौट रहे थे। घटना से सभी लोग बुरी तरह से हतप्रभ है।

पति-पत्नी के विवाद में मासूम की आफत- मां ने छह माह की बेटी को सास-ससुर के पास छोड़ा

मेरठ, संवाददाता। बिजनौर जनपद के मंडावर थानाक्षेत्र में गांव नारायणपुर रतन में छह माह की बच्ची को मस्जिद में रखकर परिजन फरार हो गए। ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच की। ग्रामीणों ने बताया कि पति से विवाद के चलते महिला बच्ची को सास–ससुर के पास छोड़ गई थी। बाद में सास–ससुर बच्ची को मस्जिद में रखकर फरार हो गए। पुलिस ने बच्ची को मौसी के सुपुर्द किया। मंडावली थाना क्षेत्र के गांव नारायणपुर रतन निवासी नवाब का पत्नी सहाना परवीन से विवाद चल रहा है। नवाब बाहर रहकर काम करता है। शनिवार को नवाब की पत्नी शहाना परवीन अपनी छह माह की बच्ची को सास खैरूना और ससुर यूनुस के पास छोड़कर अपने मायके मंडावली थाने के गांव जमदरपुर चली गई। इसके बाद सास ससुर भी छह माह की बच्ची को मस्जिद में रखकर और घर में ताला लगाकर फरार हो गए। ग्रामीणों की सूचना पर मंडावली पुलिस मौके पर पहुंची। रात होने की वजह से पुलिस ने बच्ची को पड़ोसी को सुपुर्द कर दिया। रविवार सुबह पुलिस बच्ची को थाने ले गई। मंडावली थाना प्रभारी विकास कुमार और उसकी टीम ने चार घंटे बच्ची का ख्याल रखा। पुलिस ने बच्ची को उसकी मां सहाना परवीन के पास पहुंचवाया, लेकिन वह गांव में नहीं मिली। बाद में पुलिस ने बच्ची को उसकी मौसी के सुपुर्द कर दिया।

चिकित्सक पर पैसे लेने का आरोप

हमीरपुर, संवाददाता। हमीरपुर जिला अस्पताल की इमरजेंसी में तैनात चिकित्सक के ऊपर मरीज के तीमारदार ने पैसे लेकर इलाज करने का आरोप लगाया है। कुरारा थाना क्षेत्र के कुसमरा गांव निवासी मातादीन ने बताया कि उसकी बहु गुड्डो (40) पत्नी राम प्रसाद दोपहर अपने कच्चे मकान का छप्पर ठीक कर रही थी। तभी लकड़ी उसके सिर पर टूट कर गिर गई। जिससे उसके सिर में चोट लगी व घायल हो गई। वह बहू को लेकर जिला अस्पताल के इमरजेंसी में पहुंचा जहां पर तैनात चिकित्सक एके सिंह ने उसके सिर में टांके लगाने के नाम पर 1350 रुपए ले लिए। उसने बताया कि उसने डॉक्टर से बहुत मिन्नते की कि वह गरीब है वह पैसे नहीं दे सकता है लेकिन चिकित्सक ने एक भी नहीं सुनी। वह रेफर करने की बात कहने लगे तब उसने चिकित्सक को 1350 रुपए देकर अपनी बहू का इलाज कराया। अब वह जिला अस्पताल के वार्ड में भर्ती है। चिकित्सक एके सिंह ने बताया कि उन्होंने किसी से कोई पैसा नहीं लिया है आरोप निराधार है। सीएमएस डॉक्टर एसपी गुप्ता ने बताया कि उनके पास कोई ऐसी शिकायत नहीं प्राप्त हुई है अगर कोई शिकायत ऐसी आती है तो मामले की जांच कराकर कार्रवाई की जाएगी।

फर्जी हॉलमार्क से धोखाधड़ी, 24 कैरट के गहने बताकर बेचे जा रहे 16–18 कैरट के गहने

आगरा, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के आगरा में स्वर्ण माफिया सोने के गहनों की शुद्धता में फर्जीवाड़ा कर ग्राहकों से धोखाधड़ी कर रहे हैं। फर्जी हॉलमार्क यूनिक आइडेंटिफिकेशन (एचयूआईडी) से 16–18 कैरट के सोने को 22–24 कैरट का बताकर बिक्री कर रहे हैं। जरूरत पर लोग अपने गहने बेचने या गिरवी रखने गए तो मामले पकड़ में आए। भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) और वित्त मंत्रालय में इसकी शिकायत की गई है। आगरा सराफा एसोसिएशन के अध्यक्ष नितेश अग्रवाल ने बताया कि जिले में 4500 सराफा व्यापारी हैं, इसमें करीब 450 बड़े कारोबारी हैं। महीनेभर में 300 किलो से अधिक के सोने के गहनों की बिक्री होती है। कई लोग जरूरत पर बाजार में गहने बेचने आए। इन पर बाकायदा हॉलमार्क भी लगा था। बीआईएस की वेबसाइट से इसकी जांच की तो ये फर्जी निकला। सोना खरीदते वक्त 22–24 कैरट बताकर पूरे दाम लिए गए थे। जांच में गहने 16–18 कैरट के निकले। शुरूआत में इक्का–दुक्का मामले आते थे। अब आए दिन पकड़ में आ रहे हैं। इसकी जांच कराने के लिए बीआईएस और वित्त मंत्रालय में शिकायत की है।

लेजर मशीन से लगा रहे हैं फर्जी हॉलमार्क

मार्किंग सेंटर संचालक विकास आनंद ने बताया कि आगरा में अभी 3 सेंटर हैं। एक व्यक्ति 6 अंगूठी गिरवी रखने आया तो दुकानदार ने बीआईएस की बेवसाइट पर एचयूआईडी नंबर डाला। इसे 24 कैरट की शुद्धता बताया, लेकिन ये नंबर गले के हार का था। अंगूठी पर लगा मिला। एसोसिएशन की पड़ताल में पाया कि कई दुकानदार लेजर मशीन से असली एचयूआईडी को अलग–अलग गहनों पर लगाकर ग्राहकों को बेच रहे हैं।

सोने की शुद्धता की पुष्टि के बाद एचयूआईडी की मुहर लगती है। इससे सोने की शुद्धता, आभूषण का प्रकार, विक्रेता का नाम समेत अन्य जानकारी दर्ज होती है। इससे ग्राहक विश्वस्त रहता है कि जितने तय कैरट के दाम देने पर ग्राहक को पूरी शुद्धता के गहने मिले हैं। गहनों को दोबारा बेचने–गिरवी रखने पर ग्राहक को तय कीमत भी मिल जाती है। ग्राहक सोना खरीदते वक्त बीआईएस केयर एप से एचयूआईडी की पुष्टि कर लें।

रोडवेज बस ने बाइक में मारी जोरदार टक्कर

शामली, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के शामली में आज दोपहर हुए एक दर्दनाक हादसे में बाइक सवार तीन युवकों की मौत हो गई। बताया गया कि कैराना थानाक्षेत्र में रोडवेज बस के बाइक में टक्कर मारने से हादसा हुआ। हादसे में बाइक सवार तीन लोगों की मौत हुई है। सूचना पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर एंबुलेंस द्वारा तीनों शवों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। तीनों ही कैराना के रहने वाले थे। सोमवार दोपहर करीब 12:30 बजे शामली रोड पर बायपास फ्लाईओवर के नीचे तेज गति से जा रही बस ने विपरीत दिशा से आ रही बुलेट बाइक में टक्कर मार दी। जिससे बाइक सवार तीन युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद चालक बस को लेकर मौके से फरार हो गया। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को सरकारी अस्पताल पहुंचाया जहां पर डॉक्टरों ने तीनों को मृत घोषित कर दिया। बाद में एक मृतक के चाचा ने अस्पताल पहुंच कर बताया कि मरने वाला उसका भतीजा सारिक(19) है। बताया गया कि सारिक अविवाहित था और दो भाइयों में बड़ा था। सारिक के पिता की भी करीब पांच वर्ष पहले मौत हो गई थी। इसके अलावा मरने वालों में एक का नाम आसिफ पुत्र रफीक निवासी मोहल्ला इकरामपुरा और दूसरे का नाम आसिफ पुत्र शाहिद निवासी मोहल्ला इकरामपुरा बताया गया। सूचना पर सीओ अमरदीप मौर्य सरकारी अस्पताल पहुंचे तथा जानकारी ली।

पीएम जल्द करेंगे केन–बेतवा लिंक परियोजना का शिलान्यास

बांदा, संवाददाता। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जल्द ही केन–बेतवा नदी लिंक परियोजना का शिलान्यास कर सकते हैं। इसकी पहल मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने की है। दो दिन पूर्व उन्होंने प्रधानमंत्री से मुलाकात करके शिलान्यास की तारीख देने का अनुरोध किया है। अटल बिहारी वाजपेयी के प्रधानमंत्रित्व काल वर्ष 2005 में देश की 37 नदियों को आपस में जोड़ने की योजना तैयार की गई थी।

इसमें बुंदेलखंड की केन–बेतवा लिंक परियोजना भी शामिल है। परियोजना की शुरुआत भी इन्ही दोनों नदियों से की जा रही है, लेकिन यूपी–एमपी सरकारों के बीच सहमति न बन पाने से परियोजना अटकी रही। हालांकि दोनों राज्यों के बुंदेलखंड क्षेत्र के लिए यह काफी फायदेमंद मानी जा रही है।

केंद्र सरकार की मध्यस्थता से पिछले वर्ष सितंबर में यूपी–एमपी के मुख्यमंत्रियों और सिंचाई मंत्रियों की उच्चस्तरीय बैठक में दोनों राज्यों में परियोजना को सहमति बनी है। इसी के बाद परियोजना के शिलान्यास की कवायद तेज हो गई है। पिछले वर्ष अक्तूबर में ही खजुराहो में प्रधानमंत्री द्वारा इसका शिलान्यास किया जाना था, पर ऐन वक्त पर यह टल गया।

अब एमपी के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रधानमंत्री से दिल्ली में मिलकर परियोजना का शिलान्यास करने का अनुरोध किया है।

शीघ्र ही इसकी तारीख तय करने की गुजारिश की है। अब माना जा रहा है कि प्रधानमंत्री शीघ्र ही आकर शिलान्यास करेंगे। गौरतलब है कि मोदी सरकार ने वर्ष 2023–24 के बजट में परियोजना के लिए 3500 करोड़ रुपये स्वीकृत किए हैं।

जमीन के विवाद में युवक ने बड़े भाई की फावड़े से वार कर की हत्या, गिरफ्तार

उन्नाव, संवाददाता। उन्नाव जिले में पैतृक घर के बंटवारे में एक फीट जमीन के झगड़े में युवक ने फावड़े से वार कर बड़े भाई की हत्या कर दी। पुलिस ने हत्यारोपी को गिरफ्तार कर लिया है। औरास थाना क्षेत्र के टिकराबाव गांव के मजरा प्रताप खेड़ा निवासी रामकिशोर का बड़े भाई गुरुचरन (57) के बीच घर के अंदर एक फीट जमीन को लेकर कई माह से विवाद चल रहा था। कई बार पुलिस से भी शिकायत की लेकिन मामला हल नहीं हो पा रहा था। सोमवार सुबह दोनों भाइयों में फिर विवाद बढ़ा और रामिकशोर ने बड़े भाई गुरुचरन के सिर पर फावड़े से वार कर हत्या कर दी। घटना से गांव में हड़कंप मच गया। हत्यारोपी रामकिशोर घटना के बाद घर में ही मौजूद रहा। मृतक चार भाइयो में सबसे बड़ा था। सूचना पर पहुंचीं थाना प्रभारी रेखा सिंह ने जांच की तो हत्यारोपी आरोपी रामकिशोर को फावड़े सहित हिरासत में लेकर गुरुचरन के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक गुरूचरन ने शुक्रवार को औरास थाने शिकायती पत्र देकर पुलिस से समाधान कराने की मांग की थी, पुलिस रोज प्रताप खेड़ा गांव जाकर दोनों भाइयों में समाधान कराने का प्रयास कर रही थी लेकिन समाधान नहीं हो सका।

ग्रामीणों ने बताया कि कई बार गांव में भी दोनों पक्षों का समझौता कराया गया लेकिन समझौता नहीं हो सका। पुलिस गंभीर होती तो शायद यह घटना न घटती।

संक्षिप्त खबरें

सड़क पर गिरे पेड़ से टकराए बाइक सवार, महिला की मौत

बांदा, संवाददाता। आंधी के चलते गिरे बबूल के पेड़ से बाइक सवार तीन लोग टकरा गए। तीनों घायलों को बबेरू सीएचसी फिर जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। यहां एक महिला ने दम तोड़ दिया। शहर कोतवाली क्षेत्र के धीरज नगर मोहल्ला निवासी कौशल्या (60) अपने नाती के बरहौं संस्कार में शामिल होने के लिए बाइक से शनिवार देर शाम कमासिन के सिकरी गांव जा रही थी। बाइक उसका पौत्र विक्की (20) चला रहा था। बाइक में बहू रेखा (40) भी सवार थी। कमासिन से पहले सड़क पर आंधी से गिरे बबूल के पेड़ से उनकी बाइक टकरा गई। जिससे तीनों गंभीर घायल हो गए। राहगीरों ने तीनों को बबेरू सीएचसी पहुंचाया। यहां हालत गंभीर होने पर कौशल्या को जिला अस्पताल रेफर किया गया। रविवार सुबह कौशल्या ने दम तोड़ दिया। पति कल्लू गुप्ता ने बताया कि पुत्र कुसुमा के घर बेटा होने की खुशी में जा रही थीं। रास्ते में यह हादसा हो गया। परिजनों ने शव का अंतिम संस्कार कर दिया है।

कानपुर समेत यूपी के कई शहरों में तीन दिनों में आंधी और झमाझम बारिश के आसार

कानपुर, संवाददाता। कानपुर समेत आसपास के शहरों में अगले तीन दिनों में मानसूनी बारिश के आसार हैं। दिन का तापमान अभी 40 डिग्री तक रहेगा। अगले 48 घंटे में प्री मानसूनी बारिश सुबह और शाम के समय ही होने की संभावना है। कानपुर सहित बुंदेलखंड व प्रदेश के दूसरे जिलों में भी मानसूनी बारिश का सिलसिला इसी बीच शुरू हो जाएगा। सीएसए के मौसम विभाग प्रमुख डॉ. एसएन सुनील पांडेय के अनुसार जून के इस आखिरी सप्ताह से लेकर सितंबर महीने तक मानसून की अच्छी बारिश होने की संभावना है। इस बीच ला निना और अल निनो का प्रभाव भी पूरी तरह से खत्म हो गया है। ऐसे में इस बार भारी बारिश के संकेत मिल रहे हैं। गंगा और दूसरी नदियों के तराई वाले क्षेत्रों में आंधी के साथ बारिश की संभावना है। डॉ. पांडेय ने बताया कि दिन में उत्तर पश्चिमी हवाएं बहुत धीमी गति से चल रही हैं। इसकी वजह से अगले दो दिनों तक दोपहर में तेज धूप बनी रहेगी लेकिन मानसूनी बारिश के साथ धीरे–धीरे तेज धूप धीमी पड़ती जाएगी।

हाईटेंशन लाइन की चपेट में आने से किशोर की मौत

शामली, संवाददाता। पेड़ पर चढ़कर आम तोड़ रहे किशोर की हाईटेंशन लाइन के छू जाने से मौके पर ही मौत हो गई। किशोर के परिवार वालों को रो–रोकर बुरा हाल है। गांव भैसानी इस्लामपुर निवासी इमरान का 17 वर्षीय पुत्र अब्दुल मन्नान गांव के उत्तर में हरनाकी गांव में जा रहे रास्ते पर एक आम के पेड़ पर चढ़कर आम तोड़ रहा था। अचानक आम के पेड़ के ऊपर से जा रही हाईटेंशन विद्युत लाइन की चपेट में आ जाने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना पर परिजनों में कोहराम मच गया। बड़ी संख्या में ग्रामीण भी घटनास्थल पर पहुंचे। ग्रामीण आशिफ, राकिब, हसरत, नवाब आदि ने बताया कि कई बार शिकायतों के बावजूद विभाग लटके हुए तारों की खिंचाई नहीं करा रहा है।

गोमती एक्सप्रेस की चपेट में आया युवक

अलीगढ़, संवाददाता। अलीगढ़ रेलवे स्टेशन एवं दाऊद खां के मध्य रविवार को गोमती एक्सप्रेस ट्रेन की चपेट में आकर युवक की मौत हो गई। शव की शिनाख्त नहीं हो सकी है। आरपीएफ पोस्ट कमांडर राजीव वर्मा ने बताया कि टूंडला कंट्रोलर से सूचना मिली कि अलीगढ़–दाऊद खां के मध्य एक युवक की गाड़ी संख्या–12420 गोमती एक्सप्रेस की चपेट में आकर मौत हो गई। ट्रेन मौके पर खड़ी है। इस पर आरपीएफ के एसआई धीरज सिंह टीम के साथ एवं गांधीपार्क इलाका पुलिस मौके पर पहुंची। मृतक की जेब से रेल यात्रा से जुड़ा कोई टिकट या दस्तावेज नहीं मिला। शिनाख्त न होने पर शव को पोस्टमार्टम हाउस में रखवा दिया है। गोमती एक्सप्रेस के लोको पायलट जवाहर सिंह ने बताया कि युवक के ट्रैक पार करने के दौरान यह घटना हुई है। इसके बाद ट्रेन करीब 21 मिनट की देरी से गंतव्य के लिए रवाना हुई।

महिला से सामूहिक दुष्कर्म में फैसले की तारीख नियत

अलीगढ़, संवाददाता। दिल्ली से अकराबाद जाते समय महिला से ऑटो में हुए सामूहिक दुष्कर्म व लूट की घटना में सभी की गवाही व बहस पूरी होने के बाद निर्णय की तारीख नियत कर दी गई है। अब मामले में अदालत ने निर्णय के लिए 29 जून तारीख नियत की है। इस मुकदमे का ट्रायल एडीजे फास्ट ट्रैक प्रथम की अदालत में चल रहा है। ये घटना 14 अप्रैल 2022 की देर शाम की है। दिल्ली से रोडवेज बस में सवार होकर आई महिला अपनी ससुराल अकराबाद जाने के लिए ऑटो में सवार हुई। गांधी पार्क बस स्टैंड से ऑटो में लेकर चले आरोपियों ने उसके साथ नानऊ–पिलखना रोड पर एकांत में दुष्कर्म व लूट को अंजाम दिया। इस दौरान आरोपी पर्स में रखी नकदी व मोबाइल लूट ले गए थे। इस घटना में पुलिस ने एक आरोपी यूसुफ उर्फ रिहान निवासी रजा नगर को मुठभेड़ में गिरफ्तार किया था।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी मे. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव
मो0 - 7007415808, 9628325542, 9415034002
RNI NO - UPHIN/2022/86937
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।